आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 70 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 सितंबर 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

राजगढ़ के ब्यावरा से 12 दिन की रिमांड पर ले गई है दिल्ली स्पेशल ब्रांच की टीम

12वीं पास कम्प्यूटर ऑपरेटर था आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा कामरान

- बहनोई को चाकू मारने के मामले में जा चुका था जेल
- सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर से संपर्क
- पिता मैकेनिक, 3 भाई बहनों में सबसे छोटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गरीब और जरूरतमंद मुसलमान युवकों का आतंकवादी बनाने के लिए किस तरह ब्रेन वॉश किया जाता है, इसका उदाहरण प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा कस्बे में सामने आया है। यहां से दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कामरान नाम के युवक को पकड़ कर 12 दिन की रिमांड पर लिया है। आरोप है कि वह इस्लामिक स्टेट्स ऑफ ईराक एंड सीरिया के लिए पाकिस्तानी हेंडलर के लगातार संपर्क में था। इससे बम बनाने के सामान सहित हथियार भी बरामद किए गए हैं।

दोपहर मेट्रो की पड़ताल में पता चला है कि सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आने के बाद आतंक से जुड़े लोगों ने कामरान की गरीबी और जरूरत का फायदा उठाते हुए उसे अपने साथ जोड़ लिया। ब्यावरा की शहीद कॉलोनी में ऐसे कई लोग मिलते हैं जो कामरान के परिवार को अच्छी तरह जानते हैं। उनका कहना है कि कामरान का परिवार 1990 में ब्यावरा आया था। यहां उसके पिता फिलहाल मैकेनिक का काम करते हैं। वह स्वयं 12वीं तक पढ़ा है और निजी रूप से कम्प्यूटर ऑपरेटर का काम करता है। इससे उसे बमुश्किल 10-12 हजार रुपए मिलते है।

टारगेट किलिंग था मकसद

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का कहना है कि 11 टीमें बनाकर एटीएस और स्थानीय पुलिस की मदद से 11 लोगों को राउंडअप किया गया है। आरोपियों का मकसद 'खिलाफ मॉडल' बनाकर जिहाद और पहलगाम की तरह टारगेट किलिंग करना था। पाकिस्तानी हेंडलर ने उन्हें बाहर से हथियार लाने की बजाए खुद तैयार करने को कहा था।

ब्यावरा के पुराने बस स्टैंड स्थित शहीद कॉलोनी से कामरान को ले जाती पुलिस।

पड़ोसी बोले - गुमसुम रहता था

आस पड़ोस में रहने वाले लोग बताते हैं कि आमतौर पर कामरान गुमसुम रहा करता था। कुछ साल पहले घरेलू विवाद की वजह से उसने अपने बहनोई को चाकू मार दिया था। इस पर उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला भी चला था। बाद में गवाह पलटने के कारण वह बरी हो गया था। जिस बहन के पति को चाकू मारा था वह अब तलाक के बाद इस परिवार के साथ ही रहती है। पुलिस के अनुसार पिछले 6-7 माह से इस परिवार पर नजर रखी जा रही थी। अब कामरान से पूछताछ के आधार पर पता लगाने की कोशिश करेगी कि प्रदेश के इस अंचल में और कितने लोग इस नेटवर्क से जुड़े हैं।

पनाहगार बना शांति का टापू

ब्यावरा से आतंकी कनेक्शन निकलने के बाद एक बार फिर यह सामने आया है कि शांति का टापू कहा जाने वाला मप्र आतंक के हेंडलर और अंडरवर्ल्ड के लोगों के लिए सुरक्षित पनाहगार बनता जा रहा है। इससे पहले सिमी के आतंकवादी सुर्खियों में रहे हैं जिनका भोपाल जेल से भागते समय एनकाउंटर किया गया था। 1990 के दशक में मुंबई अंडरवर्ल्ड के सरगना पीलू खान ने लंबे समय तक रायसेन में शरण ली थी। इसके अलावा अबू सलेम और उसकी प्रेमिका मोनिका बेदी का भोपाल कनेक्शन भी सुर्खियों में रहा है। इन दोनों का पासपोर्ट भोपाल से ही बना था। इसी मामले में मोनिका लंबे समय तक भोपाल जेल में रही थी।

मुख्यमंत्री कर रहे हैं गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का शुभारंभ

नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन, यहां है वाइल्ड लाइफ व वाटर स्पोर्ट्स

भोपाल /मंदसौर

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के दौरान पर्यटक टेंट सिटी में हॉट-एयर बलूनिंग, पैरामोटरिंग, जेट स्कीइंग, कायाकिंग और मोटर बोटिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। हिंगलाजगढ़ किले की हेरिटेज ट्रेल, गांधीसागर अभयारण्य में वन्यजीव सफारी और ग्रामीण जीवन के अनुभव भी पर्यटकों के आकर्षण का हिस्सा रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट के चौथे संस्करण का शुभारंभ कर रहे हैं। यह रिट्रीट लक्जरी कैंपिंग, एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक गतिविधियों का अनूठा संगम है। जानकारी के अनुसार इस रिट्रीट में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता पर विशेष ध्यान दिया गया है। लगभग 2,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित बटरफ्लाई गार्डन में 4,000 से अधिक पोषक एवं पराग प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां पहले से ही 40 से अधिक तितली प्रजातियां दर्ज की जा चुकी हैं। यह केंद्र शिक्षा एवं इंटरप्रिटेशन स्थल के रूप में पर्यटकों को तितलियों के जीवन चक्र की जानकारी प्रदान करेगा। इसके अलावा इस सीजन में रॉक आर्ट इंटरप्रिटेशन जोन, जो चतुर्भुज नाला की प्राचीन शैलचित्र कला से प्रेरित है, तथा बायोडायवर्सिटी वॉक जैसी गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। पर्यटक इस रिट्रीट में गाइडेड बटरफ्लाई गार्डन टूर, नेचर वॉक, बर्ड वॉचिंग, वाटर स्पोर्ट्स (स्पीड बोट, बनाना राइड, जेट स्की, कयाकिंग) और हवाई एडवेंचर (हॉट एयर बैलूनिंग व पैरामोटरिंग) जैसी शानदार गतिविधियों का अनुभव लेकर प्रकृति के और करीब आ सकेंगे।

रोमांच की जादूई यात्रा...देखें पेज 4

आदिवासी अंचल से लाड़ली बहना योजना के 1541 करोड़ ट्रांसफर

मुख्यमंत्री यादव ने आज आदिवासी अंचल झाबुआ जिले से कई सौगातें दीं। पेटलावद से लाड़ली बहना योजना की 1.26 करोड़ महिलाओं को राशि ट्रांसफर की। यह 28वीं किश्त है जिसके तहत 1541 करोड़ दिए गए। इसी के साथ सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए 53.48 लाख से अधिक लोगों के खातों में 320.89 करोड़ रु और उज्वला योजना के तहत रजिस्टर्ड 31 लाख महिलाओं के खाते में भी 450 रुपये गैस रिफिल के 48 करोड़ रु , दिए गए। जिले के 345.34 करोड़ रुपये लागत के 72 से अधिक विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा तैयार जनजातीय आयुर्वेदिक परंपरा एवं चिकित्सा ज्ञान पर केंद्रित पुस्तक झाबुआ के संजीवक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर बताया गया कि जिले में जड़ी बूटियों से उपचार का समृद्ध ज्ञान जनजातीय वर्ग में सदियों से विद्यमान है।

पीएम की रेस में सुशीला आगे संसद भंग करने पर गतिरोध

काठमांडू, एजेंसी

केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे को 48 घंटे हो गए हैं, लेकिन अभी तक अंतरिम प्रधानमंत्री तय नहीं हो सका है। इसपर बातचीत आज सुबह 9 बजे शुरू हुई और चर्चाओं का दौर जारी है। कल दिनभर चली चर्चा किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुशीला कार्की को अंतरिम पीएम बनाने पर लगभग सहमति बन गई है, लेकिन मौजूदा संसद को भंग करने या न करने पर चर्चा रुकी हुई है। बातचीत में भाग लेने वाले एक अधिकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति पौडेल संसद भंग करने को तैयार नहीं। हालांकि, कार्की ने तर्क दिया है कि पहले संसद को भंग किया जाना चाहिए, क्योंकि संविधान के अनुसार संसद कायम रहते हुए किसी गैर-सांसद (जो संसद का सदस्य न हो) को प्रधानमंत्री नहीं बनाया जा सकता। एक गुट का आरोप है कि सुशीला कार्की भारत समर्थक हैं और उन्हें यह स्वीकार नहीं हैं।

दूसरी तरफ, आर्मी ने एहतियातन राजधानी और उससे सटे इलाकों में चौथे दिन भी कर्फ्यू जारी रखा है। राजधानी काठमांडू में आर्मी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। राजधानी काठमांडू में आर्मी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। आंदोलन के दौरान मरने वालों की संख्या 51 पहुंच गई। इस बीच नेपाल में फंसे भारतीयों को लाने का सिलसिला जारी है।

भोपाल में पाक्सो अदालत की जज को हाईकोर्ट की फटकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने भोपाल की एक विशेष पॉक्सो अदालत की न्यायाधीश को उनके एक फैसले में 'विसंगति' के लिए फटकार लगाई है। यह फैसला दो महिलाओं को सजा सुनाने से जुड़ा है। अदालत ने मामले को मुख्य न्यायाधीश के सामने रखने का आदेश दिया है ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

पांच साल की बच्ची से जुड़ा मामला: यह मामला भोपाल में पांच साल की बच्ची के बलात्कार और हत्या से संबंधित है। मुख्य आरोपी को पहले ही मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। दो आरोपी महिलाएं मुख्य आरोपी की मां और बहन हैं। उन्हें मुख्य आरोपी के खिलाफ सबूत नष्ट करने की कोशिश करने के लिए दोषी ठहराया गया है। ट्रायल जज ने अपने आदेश में दोनों

जज ने एक ही फैसले में पहले लिखी एक, फिर दो साल की सजा

महिलाओं को 1 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। लेकिन, अपने फैसले के बाद के हिस्से में, सजा की अवधि बढ़ाकर 2 साल कर दी। न्यायाधीशों ने कहा कि अगर सरकारी वकील ने फैसले में विसंगति की ओर इशारा नहीं किया होता, तो दोनों महिलाएं अपनी वास्तविक सजा से एक साल अधिक जेल में बितातीं। पीठ ने कहा कि यह एक क्लर्क की गलती नहीं है, बल्कि न्यायाधीश ने मनमाने ढंग से सजा की अवधि बदली है।

सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ

नईदिल्ली,एजेंसी

सीपी राधाकृष्णन ने आज उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। वे देश के 15 वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सीपी राधाकृष्णन को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य मौजूद थे। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एवं एनडीए के घटक दलों के नेताओं के साथ पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी समारोह में मौजूद थे।

मेट्रो एंकर अब नहीं दिखते ठंड के कपड़े पहने... छाते लेकर पैदल चलते लोग

वाहनों की बढ़ती भीड़ में शिमला खो रहा अपनी पहचान अगर ऐसा ही रहा तो दूरी बना लेंगे पर्यटक : हाईकोर्ट

शिमला, एजेंसी

पर्वतों घिरे शिमला के बारे में सोचने पर कभी जो सीन आंखों के सामने आता था, वह था ठंड के कपड़े पहने पैदल चल रहे लोग, उनके हाथों में छाते। सिर पर कैप और हाथों में ग्लव्स भी। लेकिन अब यहां का सीन ऐसा नहीं रह गया है। इसे लेकर हाई कोर्ट ने चिंता जताई है। शिमला की पहचान पैदल यात्री संस्कृति की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करते हुए हाई कोर्ट ने इस बात पर निराशा व्यक्त की है कि सड़कों पर वाहनों की बढ़ती भीड़ के कारण यह हिल स्टेशन अपना आकर्षण खो रहा है।

हाई कोर्ट ने कहा कि शिमला शहर की संस्कृति थी कि लोग छाता लेकर और जैकेट पहनकर पैदल निकलते थे। यही यहां का आकर्षण हुआ करता था। धीरे-धीरे यह खोता जा रहा है और शिमला अब मसूरी की तरह सिमटता जा रहा है।

मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने कहा कि शिमला में जहां लोग पैदल चलते थे, वहां यातायात सीलबंद सड़कों पर चल रहा है। इसे रोककर आकर्षण बहाल करने की आवश्यकता है। बेंच एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने हिमाचल प्रदेश के गृह सचिव और शिमला के पुलिस अधीक्षक को सीलबंद सड़कों के लिए जारी किए गए वाहन पास पर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने और पास धारकों के मानदंडों और श्रेणियों के बारे में विवरण देने का निर्देश दिया। अदालत ने पाया कि शिल्ही चौक या शिमला क्लब से छोटा शिमला तक सीलबंद मार्ग के लिए कई वाहन पास जारी किए गए हैं, जिससे पैदल यात्रियों का स्वतंत्र रूप से आना-जाना मुश्किल हो गया है। अदालत ने यह भी बताया कि रॉक सी होटल से विलो बैंक तक मॉल रोड के प्रतिबंधित हिस्से पर भी वाहन पार्क किए जाते हैं।

जिम्मेदारों को थमाया नोटिस

याचिकाकर्ता संभव भसीन ने अदालत का ध्यान स्वच्छता बनाए रखने, सेना प्रशिक्षण कमान (आरट्रैक) से राम बाज़ार जाने वाली सार्वजनिक सड़क पर पड़े कूड़े को हटाने और दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए उचित दिशा निर्देश बनाने की ओर आकर्षित किया था। अदालत ने पाया कि याचिका के साथ संलग्न तस्वीरों से स्थिति बेहद खराब दिख रही है। क्योंकि सड़कों पर खड़े दोपहिया और चार पहिया वाहनों ने पैदल मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। तस्वीरों में स्थानीय निवासियों ने वाहनों के पीछे जमा किए गए कूड़े के ढेर को भी दिखाया गया है। अदालत ने कहा कि शिमला नगर निगम द्वारा पर्याप्त शक्तियों का प्रयोग नहीं किया जा रहा है।

दिल्ली-बॉम्बे हाईकोर्ट को बम की धमकी, कैंपस खाली कराएं

नईदिल्ली,एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट में बम की धमकी वाला मेल भेजा गया। आज सुबह दिल्ली हाईकोर्ट को भेजे ईमेल में कोर्ट रूम में 3 बम रखे जाने का जिक्र था। धमकी में कहा गया था कि दोपहर की नमाज के पहले (2 बजे तक) कैंपस को खाली कर दें। वहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट को भी बम की धमकी के ईमेल के बाद खाली कराया गया है। वकील, जजों और अन्य लोगों को बाहर निकाला गया है। सभी कोर्ट रूम की तलाशी जा रही है। यहां बम स्क्वॉड की टीम पहुंची हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में भेजे ईमेल के सब्जेक्ट में लिखा है कि पवित्र शुक्रवार विस्फोटों के लिए जज रूम/कोर्ट परिसर में 3 बम रखे गए हैं। दोपहर 2 बजे तक खाली कर दें।

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति का सिर काटा

टेक्सास। अमेरिका में टेक्सास के डलास में भारतीय मूल के व्यक्ति की उसकी पत्नी और बेटे के सामने हत्या कर दी गई। हमलावर ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें हमलावर सिर काटते हुए, फिर उसे दो बार लात मारते हुए और बाद में कूड़ेदान में फेंकता दिख रहा है।

बिखरी पड़ी टूटी प्रतिमाएं

भोपाल. गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद तालाबों में प्रतिमाएं टूटी-फूटी अवस्था में पड़ी हुई हैं। हर साल मिट्टी के गणेश अभियान चलाया जाता है। कई जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं फिर भी बड़ी संख्या में पीओपी की बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं बनाई जाती हैं। जो विसर्जन के दौरान आस्था को ठेस तो पहुंचाती ही हैं साथ ही पर्यावरण को भी प्रदूषित करती हैं। एक ओर मिट्टी की प्रतिमाएं तो कुछ मिनटों में गल गईं, परंतु पीओपी की प्रतिमाएं तैरने लगीं।

गेहूंखेड़ा डी-मार्ट चौराहे से लेकर हिनोतिया आलम तक चल रहा निर्माण कार्य

फोरलेन सड़क का काम अभी अधूरा खुली नहर में आए दिन हो रहे हादसे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

कोलार रोड में वार्ड 84 के अंतर्गत गेहूंखेड़ा डी-मार्ट चौराहे से लेकर हिनोतिया आलम तक फोरलेन सड़क का निर्माण किया गया है। यह सड़क करीब 7 करोड़ की राशि से बनाया गया है। इस फोरलेन सड़क के दोनों ओर से बीच में गेहूंखेड़ा नहर निकली थी, जिसे करीब 7 करोड़ रुपए खर्च करके पक्का किया गया है। लेकिन यह काम ठेकेदार द्वारा कई महीने से अधूरा छोड़ दिया गया है। रहवासियों के आरोप है कि यह काम अधूरा होने से लोहे की छड़ें निकली हुई है। इतना ही नहीं कुछ स्थानों पर नहर की व्यवस्थित दीवार यानी वॉल भी नहीं बनाई गई है, जिससे सड़क के बाजू में आए दिन गाय और दूसरे जानवर इसमें गिरकर घायल हो रहे हैं। इससे रहवासी भयभीत हैं। रहवासियों की मांग है कि जिमेदार विभाग को इस मामले में तत्काल एक्शन लेकर जल्दी से जल्दी काम पूरा कराए, जिससे हादसे में कमी आए। इस सड़क के आसपास 50 हजार की आबादी निवास करती है।

रहवासियों को ज्यादा फायदा

कोलार सिक्सलेन से प्रियंका नगर, हिनौतिया आलम तिराहा जोड़ से आगे करीब 3.10 किलोमीटर क्षेत्र में सड़क बनाई गई है। इससे गेहूंखेड़ा, कोलार तहसील, प्रियंका नगर, राजहर्ष कॉलोनी, राजवैद्य कॉलोनी, सौया एवरग्रीन, सुमित्रा परिसर, सनखेड़ी, सलैया, हिनौतिया आलम सहित एक दर्जन से कॉलोनियों और नर्मदापुरम् रोड जाने वाले हजारों वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा हो रही है।

50 हजार आबादी इसी सड़क पर निर्भर

समतल सड़क पर 12 फीट गहरी नहर

प्रियंका नगर-राजहर्ष कॉलोनी में आबादी वाली इलाके में बनी यह सड़क कई जगह पर बहुत खतरनाक है। कई स्थानों पर समतल सड़क के पास करीब 12 फीट गहरी नहर होने से पालतू पशु इसमें आए दिन गिरते रहते हैं। इसके बाद आसपास के रहवासियों के सहयोग से इन जानवरों को यहां से निकाला जाता है। इस खतरे से रहवासी डरे हुए हैं। कोलार सिक्सलेन सड़क के साथ इस फोरलेन सड़क को भी बनाने का काम तीन साल पहले शुरू किया गया था। ऐसे में ठेकेदार द्वारा अधूरा निर्माण कार्य छोड़कर लोगों को मुसीबत में छोड़ दिया गया है। इस सड़क से रोजाना 50 हजार से अधिक रहवासियों और वाहन चालकों की आवाजाही है। कोलार मेन रोड से हिनौतिया आलम (केरवा-केनाल समानांतर सड़क) तिराहा जोड़ से लेकर नर्मदापुरम रोड तक फोरलेन सड़क का निर्माण किया गया है।

प्रदेश के 9884 बच्चों ने स्कूल छोड़ा अब वापस शिक्षा से जोड़ने की तैयारी

इसमें सरकारी स्कूलों में प्रवेशरत विद्यार्थियों की संख्या छह हजार 484 हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में पहली से आठवीं तक के दस हजार विद्यार्थियों ने स्कूल छोड़ दिया है। अब इन बच्चों को वापस शिक्षा से जोड़ने के प्रयास किए जाएगें। स्कूल के शिक्षक ड्राप आउट विद्यार्थी की सूची जनशिक्षा केंद्र के जनशिक्षक को उपलब्ध कराएगे। साथ ही स्कूल के नोटिस बोर्ड पर ड्राप आउट विद्यार्थी की प्रमाणिक सूची चस्पा करेंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि प्रदेश में पहली से आठवीं तक के सरकारी और निजी स्कूलों की संख्या 2811 है। वर्ष 2025-26 में पांच लाख 96 हजार 16 बच्चों का नामांकन हुआ था।

भोपाल नामांकन में सबसे पीछे 50वें नंबर पर

प्रदेश के सभी जिलों में भोपाल नामांकन में सबसे पीछे 50वें नंबर पर है। जबकि आरटीई में प्रवेशरत विद्यार्थी पढ़ाई छोड़ता है, तो उसे मुख्य धारा में जोड़ने की जिम्मेदारी विभाग की होती है। भोपाल जिले में पिछले साल की संख्या के अनुसार इस बार कुल 349 विद्यार्थियों ने पूरी तरह पढ़ाई छोड़ दी है। सरकारी स्कूलों में इनकी संख्या 128 है। विभाग ने इस बार स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ड्रापआउट विद्यार्थी को शासन की योजनाओं का लाभ देना है। इसमें उसे निःशुल्क किताबें, गणवेश, छात्रवृत्ति मिलती है।

आंकड़ा सरकारी और निजी स्कूल मिलाकर है

दरअसल, साल 2024-25 में प्रदेश के स्कूलों में पहली से बारहवीं तक के एक करोड़ 50 लाख 32 हजार 810 विद्यार्थियों का पंजीयन हुआ था। यह आंकड़ा सरकारी और निजी स्कूल मिलाकर है। नवीन सत्र 2025-26 की शुरुआत एक अप्रैल से हो गई है। चार माह की कक्षाओं का डाटा राज्य शिक्षा केंद्र के सामने आया है, जो काफी चौंकाने वाला है। विभाग के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के निजी और सरकारी में से 9 हजार 884 बच्चों ने स्कूल आना पूरी तरह बंद कर दिया है। इसमें सरकारी स्कूलों में प्रवेशरत विद्यार्थियों की संख्या छह हजार 484 है।

कृषि पाठ्यक्रम संचालन के लिए सुचारू शिक्षण व्यवस्था के निर्देश

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी शासकीय स्वशासी एवं अन्य संबंधित महाविद्यालय में कृषि पाठ्यक्रम संचालन के लिए सुचारू शिक्षण व्यवस्था बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है। आदेशानुसार ऐसे महाविद्यालय, जहां सत्र 2025-26 से बी.एससी. कृषि पाठ्यक्रम संचालन हो रहा है, वहां उक्त पाठ्यक्रम की शिक्षण व्यवस्था के लिए आई.सी.ए.आर./यू.जी.सी. के मापदण्डों के अनुसार शैक्षणिक अर्हताओं के आधार पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की सक्षम अनुमति के साथ कम से कम तीन अतिथि विद्वानों को तत्काल आमंत्रित करने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही संबंधित महाविद्यालयों में कृषि पाठ्यक्रम के प्रायोगिक कार्यों के लिए, निकटवर्ती किसानों एवं अन्य शासकीय संस्थानों के साथ 30 सितम्बर तक एमओयू सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। इनमें शासकीय एम.एल.बी. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल, सहित अन्य महाविद्यालय शामिल हैं।

बड़े तालाब पर लापरवाही के लिए निगम को सिटीजन नोटिस, जनहित याचिका लगेगी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ नागरिको के गुस्से को दिखाते हुए, भोपाल की एक नागरिक ने आज भोपाल नगर निगम (बीएमसी) और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में शहर के प्रसिद्ध बड़ा तालाब को नागरिक कर्तव्य की घोर और संगठित विफलता के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा, अराजकता और प्रशासनिक उपेक्षा का एक घिनौना मंज़र बताया गया है।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने से पहले भेजे गए इस विस्तृत कानूनी नोटिस में गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें घोर लापरवाही, जानबूझकर कानूनी कर्तव्य का पालन न करना, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत भ्रष्टाचार की संभावना, और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का उल्लंघन शामिल है। शहर की श्रीमती श्वेता शुक्ला द्वारा शुरू की गई इस कार्रवाई से प्रदेश सरकार के पर्यटन अभियानों और ज़मीनी हकीकत के बीच एक विरोधाभास उजागर हुआ है। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास से कुछ ही दूरी पर बड़ा तालाब की स्थिति खराब है। शुक्ला ने कहा, हमारी सरकार भोपाल को झीलों के शहर और अविश्वसनीय भारत के दिल के रूप में बढ़ावा देने के लिए बड़े बड़े सम्मेलन और विज्ञापनों पर जनता का बहुत पैसा खर्च करती है। फिर भी, जिस जगह को पर्यटन के केंद्र के रूप में प्रचारित किया जाता है, यानी बड़ा तालाब, वो पूरी तरह से उपेक्षा और लापरवाही का शिकार है। यह सिर्फ एक प्रशासनिक चूक नहीं है; यह जनता के भरोसे के साथ एक बड़ा विश्वासघात है। यह कानूनी नोटिस जवाबदेही के लिए अंतिम अनुरोध है।

हिंदी दिवस समारोह, भाषा और संस्कार का उत्सव

नवनिध में हिंदी पखवाड़े में प्रतियोगिताएं हुईं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल विशेष प्रार्थना सभा में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा - भाषा और संस्कार का उत्सव÷ के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने अपनी श्रेष्ठ प्रस्तुतियाँ दीं। हिंदी पखवाड़े में स्लोगन लेखन, तात्कालिक भाषण, शब्दों से चित्र बनाना, कल्पनात्मक लेखन, रंगों का संसार तथा अभिनय जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इस विशेष अवसर पर इन प्रतियोगिताओं की उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ मंच पर प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम का प्रारंभ कक्षा पाँचवीं की छात्राओं की आकर्षक नृत्य-प्रस्तुति से हुआ, जिसमें हिंदी भाषा के महत्व को सुंदर ढंग से अभिव्यक्त किया गया। तत्पश्चात हिंदी शिक्षिका जिया मोतियानी ने हिंदी भाषा पर अपने विचार साझा किए। इसके बाद छात्राओं ने तात्कालिक भाषण, कवि सम्मेलन, अभिनय और अन्य रोचक गतिविधियों के माध्यम से हिंदी की उपयोगिता एवं सरलता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल भाषा के प्रति प्रेम और गर्व की भावना उत्पन्न करते हैं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को भी निखारते हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि वे प्रतियोगिताओं और गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर निरंतर प्रगति की ओर बढ़ें। कार्यक्रम में एकेडमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, उप-प्राचार्या रेखा केवलानी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्राएँ उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन की छात्रा अनन्या शर्मा एवं देवांशी ने किया। हिंदी शिक्षिका मृणाल देशपांडे ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की। अंत में हिंदी शिक्षिका किरण विमलेश जैन ने आभार व्यक्त किया। यह आयोजन हिंदी विभाग की प्रभारी अनीता कश्यप की देखरेख में हुआ।

मेट्रो एंकर सिंधी सेंट्रल पंचायत का मलेशिया सिंगापुर सम्मेलन, सिंधी समाज की एकता का संदेश

'टांग खिंचाई' नहीं, एक-दूसरे को आगे बढ़ाएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी समाज, जो अपनी कड़ी मेहनत और सामाजिक सेवा के लिए जाना जाता है, अब एक नई चुनौती का सामना कर रहा है- आपसी टांग खिंचाई और एकता की कमी। इसी समस्या को दूर करने के लिए, संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेंट्रल पंचायत ने हाल ही में मलेशिया और सिंगापुर पारिवारिक टूर और सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने एकजुटता और एक-दूसरे को सहयोग देने का संकल्प लिया। सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंदप्रकाश इसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, और संयोजक कन्हैयालाल इसरानी ने बताया कि यह सम्मेलन बेहद यादगार रहा। इसमें भारत के 15 राज्यों से 110 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 40 महिलाएं भी शामिल थीं। मुंबई से एक दर्जन से अधिक और दुबई से दो परिवार इस आयोजन का हिस्सा बने, जो इसकी सफलता को दर्शाता है। प्रतिनिधियों ने मलेशिया और सिंगापुर के ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया और दो दिन क्रूज का भी आनंद लिया।

सम्मेलन के प्रमुख संदेश : प्रतिनिधियों ने आपस में एकता बनाए रखने और एक-दूसरे की मदद करने की अपील की।

शिक्षा और करियर- बच्चों को उच्च शिक्षा देने के बाद उन्हें कारोबार या प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

मातृभाषा का महत्व- संत जे.पी. वासवानी के विचारों को साझा करते हुए यह संकल्प लिया गया कि हर कोई अपने घर में मातृभाषा (सिंधी) का उपयोग करेगा ताकि समाज की पहचान बनी रहे।

घरेलू कामों में बेटियों को दक्ष बनाएं- सम्मेलन में यह भी संदेश दिया गया कि मां अपनी बेटियों को अच्छे संस्कार देने के साथ-साथ घरेलू कामों में भी निपुण बनाए, ताकि वे अपने परिवार और रिश्तों को मजबूती दे सकें।

गर्मजोशी से स्वागत- मलेशिया और सिंगापुर से लौटने पर, प्रतिनिधियों का उनके शहरों में स्थानीय सिंधी संगठनों द्वारा स्वागत किया गया। भोपाल में भी राजा भोज विमानतल पर समाजसेवियों ने इस प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत कर उन्हें आयोजन की बधाई दी। इस आयोजन ने न केवल एकजुटता का संदेश दिया, बल्कि सभी प्रतिनिधियों के लिए यादगार अनुभव भी रहा, जिसकी याद के तौर पर उन्हें सिंगापुर के राष्ट्रीय चिन्ह %सिंह-घापुर% की स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

30 नवंबर तक एबीसी पोर्टल पर दर्ज होगा रिकार्ड

भोपाल। राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020 के तहत शुरू की गई अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) व्यवस्था को लागू करने की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए शिक्षा मंत्रालय ने वर्ष 2021 से 2024 तक आयोजित परीक्षाओं का क्रेडिट डाटा अपलोड करने के लिए नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी / एबीसी पोर्टल 30 नवंबर 2025 तक फिर से खोल दिया है। अब मध्यप्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों, स्वशासी महाविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि इन वर्षों में परीक्षाओं में शामिल सभी विद्यार्थियों का क्रेडिट डाटा पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपलोड किया जाए। बीयू का दावा है उसने डाटा अपलोड कर दिया है। आदेश में कहा कि सभी क्रेडिट प्रदाता शैक्षणिक संस्थान छात्रों का क्रेडिट डाटा उनकी अपार आईडी से लिंक करें।

देश में पहली बार होगी डिजिटल जनगणना, ऐप होगा लॉन्च

मप्र में फरवरी से डेढ़ लाख कर्मचारी काम में जुटेंगे

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

साल 2026-27 में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना होगी। जनगणना निदेशालय इसके लिए एप लॉन्च करेगा। यह एप एंड्राइड-आईफोन दोनों के लिए होगा। परिवार का मुखिया इसमें अपने घर-परिवार की जानकारी खुद भर सकेगा।

एप पर डिटेल भरने के बाद जनगणना अधिकारी घर जाकर जानकारी क्रॉस चेक करेंगे। इसके बाद उसे डिजिटल फॉर्म पर अपलोड किया जाएगा। जनगणना में शामिल कर्मचारी को 150-175 मकानों की जिम्मेदारी होगी। जनगणना शुरू होने से पहले प्रदेश के 3 जिलों में इसका प्री टेस्ट होगा। गड़बड़ी रोकने प्रदेश की सभी प्रशासनिक सीमाओं को 31 दिसम्बर 2025 की स्थिति में फ्रीज करने का फैसला लिया गया है।

2 चरणों में होगी जनगणना- जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आजादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी।

कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

इतने बड़े काम के लिए सरकार ने देशभर में करीब 34 लाख लोगों को नियुक्त किया है। इन कर्मचारियों को तीन स्तरों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले राष्ट्रीय ट्रेनर, फिर मास्टर ट्रेनर और आखिर में फील्ड ट्रेनर इन्हें तैयार करेंगे। हर गांव और शहर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाएगा और हर हिस्से के लिए एक कर्मचारी जिम्मेदार होगा। इससे कोई भी घर या व्यक्ति गिनती से न छूटे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद प्रदेश में जनगणना को लेकर प्रशासनिक हलचल शुरू हो गई है। जनगणना निदेशालय ने राज्य सरकार को प्रशासनिक सीमाएं फीज करने का पत्र भेजा है। इसके बाद गृह विभाग ने संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। फरवरी 2026 में पहले राउंड में पूरे प्रदेश में डेढ़ लाख कर्मचारियों की तैनाती होगी। 20 दिन में डिजिटल जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। इसके बाद आंकड़ों को मिलाकर जनगणना आयुक्त को भेजा जाएगा। इस बार पूरी जनगणना डिजिटली होगी। एमपी जनगणना निदेशालय की निदेशक भावना वालिम्बे ने बताया कि जनगणना के लिए एप के जरिए परिवारों से पूरी डिटेल भरवाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए क्वेश्चनेर (प्रश्नावली) बनाई जा रही है।

कांग्रेस सरकार गिरने पर एक-दूसरे को बताया था जिम्मेदार

दिल्ली में आमने-सामने हुए नाथ-दिग्गी राजा बोले- हमारे बीच नहीं कोई मनभेद

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मार्च 2020 में कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिरने को लेकर बीते दिनों दिग्विजय सिंह के एक इंटरव्यू के बाद खूब वार-पलटवार हुए थे। दिग्विजय ने सिंधिया और कमलनाथ के बीच मतभेदों को जिम्मेदार बताया था। वहीं, कमलनाथ ने ट्वीट कर लिखा था कि सिंधिया को लगता था दिग्विजय सिंह सरकार चला रहे इस कारण उन्होंनें सरकार गिराई थी। इन वार-पलटवार के बीच अचानक कांग्रेस के दोनों दिग्गजों की दिल्ली में मुलाकात हुई। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ से मुलाकात की तस्वीर फेसबुक पर शेयर की है।

छोटे-मोटे मतभेद रहे लेकिन मनभेद कभी नहीं- दिग्विजय सिंह ने लिखा, कमलनाथ जी और मेरे लगभग 50 वर्षों के पारिवारिक संबंध रहे हैं। हमारे राजनैतिक जीवन में उतार चढ़ाव आते रहे हैं और ये स्वाभाविक भी हैं। हमारा सारा राजनैतिक जीवन कांग्रेस में रहते हुए विचारधारा की लड़ाई एक जुट होकर लड़ते हुए बीती है और आगे भी लड़ते रहेंगे। छोटे मोटे मतभेद रहे हैं लेकिन मनभेद कभी नहीं। कल हमारी मुलाकात हुई। हम दोनों को कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने खूब अवसर दिए और जनता का प्यार सदैव मिलता रहा है। आगे भी हम मिल कर जनता के हित में कांग्रेस के नेतृत्व में सेवा करते रहेंगे। जय सिया राम।

एसबीआईसी तेजस्वी कार्यक्रम का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल। प्रदेश सरकार के एस.बी.आई.सी. तेजस्वी कार्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। माइंडफुलनेस के साथ प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण का आयोजन विद्यार्थियों के मध्य कौशल विकास, स्किल इंडिया एवं उद्यमिता संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। मास्टर ट्रेनर एवं मीडिया प्रभारी प्रवीण पटेल ने अवगत कराया कि इस सत्र में जिले के 104 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से आए 100 शिक्षकगण एवं 12 मास्टर ट्रेनरों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण में प्रशिक्षण हाथियों को ह्यूमन नॉट सॉल्यूशन चेलेंज, नॉनवर्बल कम्युनिकेशन एक्टिविटी, एसबीआईसी की गहन समझ, टीम निर्माण, आइडिया सिलेक्शन एवं प्रस्तुतीकरण, पिच वीडियो निर्माण, उत्पाद की पैकेजिंग, विपणन, बिक्री तथा लाभ अर्जन जैसे बिंदुओं पर विस्तृत विमर्श एवं अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में भोपाल से तेजस्वी की प्रतिनिधि पूजा त्रिपाठी, उज्जैन प्रभारी अदिति श्रीवास्तव तथा श्रुति पाण्डे द्वारा सभी सहभागियों का मार्गदर्शन किया गया।

इंदौर मेट्रो के लिए एमपी ट्रांसको ने तैयार की 13 किमी कम्पोजट लाइन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है किमध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन का निर्माण कर उसे ऊर्जीकृत कर दिया है। अब मेट्रो के एम.आर.-10 सब स्टेशन को 132 के.व्ही. डबल सर्किट सप्लाई एम.पी. ट्रांसको के 220 के.व्ही. जैतपुरा सब स्टेशन से प्राप्त होगी। एमपी ट्रांसको इंदौर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता आर.के. अग्रवाल ने बताया कि जैतपुरा से एम.आर.-10 सब स्टेशन तक ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण घने आबादी वाले क्षेत्र से होकर गुजरने के कारण चुनौतीपूर्ण रहा। इस कारण एम.पी. ट्रांसको मुख्यालय जबलपुर के विशेषज्ञों द्वारा विशेष डिजाइन तैयार किया गया है।

प्रधानमंत्री अपने जन्मदिन पर आदिवासी क्षेत्र को देंगे बड़ी सौगात

पीएम मित्रा पार्क के निर्माण के बाद बदलेगी प्रदेश की तस्वीर, खुलेंगे समृद्धि के द्वार

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने केन्द्रीय प्रदेश के मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी के आगामी 17 सितंबर को धार जिले की बदनावर विधानसभा के भैंसोला में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने जन्म दिवस 17 सितम्बर को प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। इसलिए आप सभी उनके कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियों में जुट जाएं। पीएम मित्रा पार्क से प्रदेश के आदिवासी अंचल में विकास के नए द्वार खुलेंगे और

समृद्धि आएगी। खण्डेलवाल ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क के निर्माण से समूचे मध्यप्रदेश की तस्वीर बदलने वाली है। हितानंद ने कहा कि कार्यकर्ता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में जुट जाएं। बैठक को केन्द्रीय मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं चेतन्य काश्यप ने भी संबोधित किया।

सेवा पखवाड़े के साथ करें तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक लोगों के जीवन में बदलाव लाने और गरीब कल्याण पर जोर देते हैं। इसीलिए उनके जन्मदिवस से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसलिए सभी को सेवा पखवाड़े की गतिविधियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारियों में जुटना है। महिला सशक्तीकरण और नारी शक्ति की बेहतरी प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने महिलाओं पर केंद्रित अनेक योजनाएं शुरू की हैं।

हिमालयी त्रासदी की दस्तक

सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी ने देश की नीतिगत संवेदनशीलता पर करारा सवाल दागा है। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के दौरान बहती लकड़ियों की मीडिया फुटेज देखकर जो कहा - कि पहाड़ों पर अवैध कटाई का सिलसिला जारी है - वह केवल एक पर्यावरणीय टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि हिमालय अब और सहनशील नहीं रहा। यह टिप्पणी किसी कोरे सिद्धांत का हिस्सा नहीं, बल्कि एक दर्दनाक सच्चाई का प्रतिबिंब है। मॉनसून की शुरुआत के चंद दिनों में ही हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब जैसे पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई। जनहित याचिका में साफ कहा गया है कि अनियंत्रित निर्माण, वनों की अंधाधुंध कटाई और जलवायु परिवर्तन की मार ने इन राज्यों की नाजुक पारिस्थितिकी को तबाही की कगार पर पहुंचा दिया है। विडंबना यह कि समर्पित आपदा प्रबंधन प्राधिकरण होते हुए भी सरकारें बार-बार न केवल इन आपदाओं को रोक पाने में नाकाम रहीं, बल्कि इनके नुकसान को कम करने की कोई ठोस योजना भी पेश नहीं कर सकीं। हकीकत यह है कि पहाड़ों में सड़क निर्माण के नाम पर नियमों की अनदेखी, जल स्रोतों पर अतिक्रमण, और पर्यावरणीय अनुमति जैसी प्रक्रियाओं को महज औपचारिकता बनाकर छोड़ दिया गया है। यही कारण है कि पहाड़ अब अपने सीने पर बोझ नहीं, बल्कि जख्म ढो रहे हैं। पेड़ों की जड़ों के साथ-साथ हमने उन प्राकृतिक सुरक्षा कवचों को भी काट फेंका है, जो सदियों से भूस्खलन और बाढ़ की रफ्तार थामे हुए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा हिमालयी राज्यों की सरकारों को दो सप्ताह में जवाब देने का नोटिस भेजा है। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को भी इस पर तत्परता से ध्यान देने को कहा है, और उन्होंने स्थिति की भयावहता स्वीकार भी की है। लेकिन सवाल है - क्या फिर भी हमारी नीतियां जागेंगी? या हर साल की बाढ़ और भूस्खलन के बाद हम मलबे से शव निकालते हुए केवल राहत पैकेजों की घोषणा भर करेंगे? अब वक्त आ गया है कि विकास के नाम पर प्रकृति से युद्ध बंद कर उसे सहयोगी बनाया जाए। अन्यथा, यह पर्वत श्रृंखला एक दिन विकास की चिंगारी में भस्म होकर केवल चेतावनी बन कर रह जाएगी।

सुविचार

एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो , बल्कि मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति बनो।

अल्बर्ट आइन्स्टाइन

निशाना

चूहे कुतर रहे हैं..!

विनोद शर्मा
'अलीगढ़ी'

चूहों से डाक्टरों ने देखो
पंगा ले लिया ,
चूहे को छोटा जान उसे हल्का
समझ लिया ।
चूहों को निपटाने में लाखों का
बिल बना
खुद ही खा गए,
भ्रष्टाचार के बिल से
नौ सौ चूहे फिर बाहर आ गए,
यह चूहे बिल्ली का खेल
आखिर कब तक हम सहें ,
अपने दिल का दर्द
हाय आखिर
किससे हम कहें ,
लालच में अंधे होकर तो कुछ
शर्म करो,
ऊपर वाले से नहीं तो गरीबों की
बद्दुआओं से डरो,
मासूम बच्चों को नहीं
यह चूहों की आड़ में भ्रष्ट आदमी
इंसानियत को कुतर गए,
यह मानव नहीं दानव
अब नज़रों से उतर गए

तनाव, अवसाद के बीच जप और ध्यान मानवता के लिए अमृत समान

■ महेश अग्रवाल

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे चिन्ह, प्रतीक और ध्वनियाँ रही हैं जिन्होंने सम्पूर्ण जगत को एक सूत्र में बाँधा है। भारतीय संस्कृति में ऊं या ओंकार ऐसा ही एक महाप्रतीक है। यह मात्र एक अक्षर नहीं, बल्कि अनाहत नाद, ब्रह्म का प्रतीक और सर्वव्यापी ऊर्जा का रूप है। प्राचीन ऋषियों ने गहन ध्यान और साधना में यह अनुभव किया कि जब मनुष्य सारे विचारों को शांत कर देता है, तब भीतर और बाहर केवल एक ही नाद गूँजता है - वह है ऊं। यही कारण है कि इसे अनादि नाद कहा गया।

ऊं का शास्त्रीय एवं दार्शनिक आधार: वेद और उपनिषद में ऊं ऋग्वेद में ऊं को मंत्रों का मूल कहा गया। यजुर्वेद के अनुसार - ऊं ऋतुवः समिधाय - सभी यज्ञ और कर्मकाण्ड की शुरुआत ऊं से होनी चाहिए। माण्डूक्य उपनिषद सम्पूर्णतः ऊं पर ही आधारित है और कहता है - ऊं इत्येतदक्षरमिदं सर्वं - यह सम्पूर्ण जगत ऊं ही है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं - प्रणवः सर्ववेदेषु - सभी वेदों में मैं प्रणव (?) हूँ। यहाँ स्पष्ट है कि ऊं परमात्मा का प्रतीक है। योगसूत्रों में पतंजलि योगसूत्र (1/27) में कहा गया - तस्य वाचकः प्रणवः ईश्वर का स्वरूप जानने का साधन है ?।

ऊं तीन ध्वनियों और एक मौन से मिलकर बना है अ (जाग्रत अवस्था) - भौतिक संसार और चेतना। उ (स्वप्न अवस्था) - सूक्ष्म शरीर और अवचेतन। म (सुषुप्ति अवस्था) - गहन निद्रा और अचेतन। मौन (तुरीय अवस्था) - आत्मा और परमात्मा का मिलन। इस प्रकार ? सम्पूर्ण चेतना का प्रतिनिधि है।

वैज्ञानिक दृष्टि से ऊं - कंपन और तरंगें - ऊं का उच्चारण करते समय स्वरयंत्र, जीभ और होंठों से जो कंपन उत्पन्न होता है, वह नाभि से लेकर मस्तिष्क तक फैला हुआ महसूस होता है। नर्वस सिस्टम पर प्रभाव - मस्तिष्क की वेगस नाड़ी सक्रिय होती है।श्वश्वत्त परीक्षण बताते हैं कि ऊं जप से अल्फा वेव्स बढ़ती हैं, जिससे मन शांत होता है। हार्ट रेट वेरिएबिलिटी में सुधार होता है। चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से ढ्ढढ्ढरू और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित ऊं जप से तनाव, अवसाद, चिंता में कमी आती है। हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है। नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

ऊं और चक्रों का संबंध - मानव शरीर में सात प्रमुख चक्र होते हैं। ऊं उच्चारण से प्रत्येक चक्र सक्रिय होता है- मूलाधार चक्र - स्थिरता और सुरक्षा। स्वाधिष्ठान चक्र - सृजन और भावनाएँ। मणिपुर चक्र - शक्ति और आत्मविश्वास। अनाहत चक्र - प्रेम और करुणा। विशुद्धि चक्र - अभिव्यक्ति और सत्य। आज्ञा। आज्ञा चक्र - अंतर्ज्ञान और एकाग्रता। सहस्रार चक्र - आत्मा और ब्रह्म से मिलन। ऊं का कंपन इन सभी चक्रों को संतुलित करता है।

ऊं और नाड़ी विज्ञान - भारतीय योगशास्त्र में 72,000 नाड़ियों का उल्लेख है। ऊं जप से इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियाँ संतुलित होती हैं। श्वसन प्रणाली और मस्तिष्क के बीच तालमेल स्थापित होता है। ऊर्जा का प्रवाह शुद्ध होकर आध्यात्मिक अनुभव की ओर ले जाता है। - ध्वनि चिकित्सा में विशेष आवृत्तियों का प्रयोग कर शरीर और मन को संतुलित किया जाता है। ऊं ध्वनि की आवृत्ति लगभग 136.1 ॥5 मानी जाती है, जो धरती के घूमने की गति से मेल खाती है। इससे शरीर के कोशिकीय स्तर पर सकारात्मक कंपन उत्पन्न होते हैं।

विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में ऊं - हिंदू धर्म - सभी मंत्रों की शुरुआत और अंत ऊं से होता है। इसे प्रणव मंत्र और तरक ब्रह्म कहा गया। बौद्धध धर्म - ऊं मणि पद्मे हुं÷ - बौद्ध मंत्र का पहला अक्षर है ऊं। ध्यान और करुणा का प्रतीक। जैन धर्म जैन साधना में भी ऊं का प्रयोग पाँच परमेष्ठियों के प्रतीक के रूप में होता है। ईसाई और इस्लाम धर्म आमेन और आमीन शब्द ऊं के ही ध्वन्यात्मक रूप माने जाते हैं। यह स्पष्ट करता है कि ध्वनि-चेतना सर्वव्यापी है।

अभ्यास की विधियाँ - एकल अभ्यास - प्रतिदिन प्रातः और सायं 10-15 मिनट ऊं जप करें। धीरे-धीरे संख्या बढ़ाएँ। सामूहिक अभ्यास - समूह में ऊं जप से सामूहिक चेतना में शक्ति आती है।कंपन का प्रभाव अधिक गहरा होता है। ध्यान अभ्यास - ऊं को मंत्र बनाकर ध्यान करें। मन में केवल ऊं की गूंज पर ध्यान केंद्रित करें।

स्वास्थ्य पर लाभ - शारीरिक - रक्तचाप नियंत्रित। हृदय की धड़कन स्थिर। श्वसन। श्वसन प्रणाली मजबूत। थकान और दर्द में कमी। मानसिक - तनाव और चिंता का नाश। स्मरण शक्ति और एकाग्रता में वृद्धि। नींद में सुधार। आध्यात्मिक - आत्मबोध और शांति। चित्त की शुद्धि। गहन ध्यानावस्था।

समाज और विश्व में ऊं - योग दिवस पर सामूहिक ऊं जप से विश्वभर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार होता है। यह शांति, सद्भाव और एकता का प्रतीक है। वैश्विक स्तर पर ऊं एक आध्यात्मिक ब्रांड बन चुका है।

ऋषि-मुनियों के अनुभव - महर्षि वशिष्ठ और वाल्मीकि ने ऊं के ध्यान को आत्मसाक्षात्कार का साधन बताया। आधुनिक योगगुरु स्वामी विवेकानंद ने कहा - ऊं वह शब्द है जो सम्पूर्ण ब्रह्मांड का प्रतीक है।÷न्यूरोसाइंस में ऊं जप को ब्रेन एंट्रेनमेंट की विधि माना गया है। कार्डियोलॉजी में यह हृदय रोगियों के लिए सहायक सिद्ध हुआ है। साइकोलॉजी में यह तनाव-निवारण तकनीक के रूप में प्रयोग हो रहा है।अभ्यास हमेशा खाली पेट करें। धीरे-धीरे प्रारम्भ करें, जल्दीबाज़ी न करें। रोगी चिकित्सक की सलाह से करें। नियमितता और श्रद्धा आवश्यक है।

ऊं का उच्चारण उस समय नहीं करना चाहिए जब श्वास तेज चल रही हो, शरीर थका हुआ हो या मन अस्थिर हो। इसका अभ्यास तभी करना उचित है जब मन शांत हो, श्वास सामान्य हो और शरीर विश्रांत अवस्था में हो। थकान, तेज़ श्वास या अशांत मन की स्थिति में ऊं जप क्यों नहीं करना चाहिए - श्वास और ध्वनि का सीधा संबंध - ऊं उच्चारण श्वास-प्रश्वास की लयबद्धता पर आधारित है। जब श्वास तेज़ होती है (जैसे दौड़ने या परिश्रम के बाद), तब स्वरयंत्र और फेफड़े सही संतुलन में नहीं होते। ऐसी अवस्था में ऊं का उच्चारण करने से ध्वनि असंतुलित और असामंजस्यपूर्ण होती है, जिससे लाभ की जगह थकान या चक्कर भी आ सकता है। थकान में स्नायु-तंत्र की स्थिति - दौड़ने या मेहनत के बाद शरीर में एड्रेनालिन हार्मोन अधिक मात्रा में होता है। यह हार्मोन हृदय की धड़कन और रक्तचाप को तेज करता है। ऊं जप का उद्देश्य मन को शांत और स्नायु-तंत्र को संतुलित करना है, लेकिन थकान में यह सामंजस्य नहीं बैठ पाता। मन की स्थिरता आवश्यक - ऊं जप केवल श्वास और ध्वनि का अभ्यास नहीं, बल्कि एक ध्यान प्रक्रिया भी है। जब मन व्याकुल या अस्थिर होता है, तब ध्वनि पर ध्यान केंद्रित नहीं हो पाता। फलस्वरूप साधना गहरी नहीं हो पाती और लाभ भी अधूरा रहता है। योगशास्त्रीय कारण - पतंजलि योगसूत्र में कहा गया है - योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः - योग चित्त की वृत्तियों का निरोध है। यदि श्वास तेज है और मन अशांत है, तो वृत्तियाँ शांत नहीं होंगी। इसलिए पहले विश्राम (शवासन, गहरी साँसें) करके श्वास-मन को सामान्य करें, फिर ऊं जप करें। सही विधि परिश्रम या दौड़ने के बाद 2-3 मिनट शवासन करें। धीरे-धीरे गहरी साँस लेकर श्वास को सामान्य करें। जब शरीर हल्का, श्वास लयबद्ध और मन शांत हो जाए तभी ऊं का उच्चारण करें। ऊं का उच्चारण तभी करना चाहिए जब मन शांत, श्वास सामान्य और शरीर विश्रांत हो। थकान, दौड़ने या तेज़ श्वास की स्थिति में अभ्यास टालना चाहिए, क्योंकि उस समय ध्वनि और कंपन असंतुलित हो जाते हैं और साधना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1217 फ्रांसीसी सम्राट लुइस ने ब्रिटेन के महाराज हेनरी तृतीय से शांति समझौता किया।
- 1309 किंगडम ऑफ़ कास्टाइल के रिकोनक्विस्टा-फोर्सेस ने ग्रेनेडा के अमीरात से गैब्राल्टर को पकड़ लिया, हालांकि वे 24 साल बाद इसका नियंत्रण खो देंगे।
- 1398 तैमूरी राजवंश के शासक तैमूर लंग सिंधु नदी के तट पर पहुंचा।
- 1609 हाल्वेन मेन पर सवार होते हुए, अंग्रेज हेनरी हडसनबेगन ने हडसन नदी की खोज की, जो कि वर्तमान न्यूयॉर्क के उपनिवेश उपनिवेश की नींव रखता था।
- 1635 स्वीडन और पोलैंड ने संघर्ष विराम संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1683 जॉन तृतीय सोबस्की के नेतृत्व में महान तुर्की युद्ध-पोलिश सेना ने वियना की लड़ाई में ओटोमन साम्राज्य को हराने के लिए एक हब्सबर्ग सेना के साथ सेना में शामिल हो गए।
- 1703 सम्राट लियोपोल्ड को स्पेनिश विरासत से हटाया गया।
- 1720 होउनेबीक के ईसाक ने डच पेंशन सलाहकार का चुनाव किया।
- 1722 फारसी में बाकू और डर्बेन्ट पर रूसी सैनिकों ने कब्जा किया।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट में जंगल, नदी और आसमान के रोमांच की जादुई यात्रा

■ युगल किशोर शर्मा

चंबल के विस्तृत बैकवॉटर पर जब सुबह की धूप सुनहरी किरणों से लहरों को रंगती है, तो ऐसा लगता है मानो प्रकृति खुद एक अद्भुत उत्सव का स्वागत कर रही हो। और ठीक इसी माहौल में पर्यटकों का कारवां पहुंचता है गांधीसागर, जहां जंगल की खामोशी, नदी की गहराई और आसमान की ऊंचाइयों का रोमांच एक साथ गले लगाने को तैयार खड़ा है। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का चौथा संस्करण केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं, बल्कि रोमांच और संस्कृति का ऐसा संगम है जो आगंतुकों को जीवनभर याद रहने वाला अनुभव देता है। जैसे ही पर्यटक पचास लग्जरी टेंट्स से सजी टेंट सिटी में कदम रखते हैं, उन्हें लगता है मानो किसी रहस्यमयी दुनिया का द्वार खुल गया हो। दिन की शुरुआत पक्षियों की चहचहाहट और लहरों की गूंज से होती है, जबकि शाम ढलते ही टेंट्स रोशनी की सुनहरी झालरों से जगमगाने लगते हैं।

यहां हर कदम पर रोमांच बिखरा है। धरती पर कदम रखते ही जंगल सफारी आपको हिरणों की छलांग और परिंदों की उड़ान के बीच ले जाती है। नाइट वॉक पर निकलने वाले साहसी पर्यटक चांदनी में जंगल की सांसों को महसूस कर सकते हैं। वहीं बटरफ्लाई गार्डन में रंग-बिरंगी तितलियों के बीच बच्चों के चेहरे पर जो चमक आती है, वह किसी भी कैमरे से ज्यादा गहरी याद बन जाती है। पानी पर उतरते ही कहानी और भी दिलचस्प हो जाती है। बोट सफारी चंबल की लहरों पर सैलानियों को सरकाती हुई दूर तक ले जाती है, जहां पानी और आकाश एकाकार दिखाई देते हैं। वहीं बोट स्पा की शांति सैलानी को थकान से दूर ले जाकर सुकून की गहराई में डुबो देती है। पर इस सबके बीच असली रोमांच तब शुरू होता है जब कोई आसमान की ओर देखता है। हॉट एयर बैलून हवा में उठता है और नीचे फैला हरा-भरा जंगल व बैकवॉटर किसी कैनवस की तरह नज़र आता है। पैरासेलिंग और पैरामोटरिंग के पलों में दिल की धड़कनें तेज़ होती हैं, पर आंखें उसी समय सबसे खूबसूरत नज़ारों को कैद करती हैं। जेट स्की और जोरबिंग की रफ्तार युवाओं को जैसे चंबल की लहरों के साथ नाचने पर मजबूर कर देती है।रात ढलते ही फॉरेस्ट रिट्रीट का असली जादू सामने आता है। खुले आसमान के नीचे जब लोक कलाकारों की धुनें गूंजती हैं, तो पूरा माहौल जीवंत हो उठता है। चूल्हों से उठती सुगंधित महक, पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद और हस्तशिल्प प्रदर्शन पर्यटकों को मध्यप्रदेश की आत्मा से जोड़ देते हैं। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश की संस्कृति का जीवंत कैनवस है। इतना ही नहीं, यह रिट्रीट बच्चों और युवाओं को प्रकृति की पाठशाला से भी जोड़ता है। बटरफ्लाई गार्डन में तितलियों का जीवन चक्र, रॉक आर्ट इंटरप्रिटेशन ज़ोन में प्राचीन शैलचित्र, और बायोडायवर्सिटी वॉक में हरियाली की महक, ये सभी अनुभव पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। और जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मां चंबल की आरती में शामिल होकर इस आयोजन की औपचारिक शुरुआत करते हैं, तो वातावरण में आस्था और रोमांच का अद्भुत संगम दिखाई देता है। यह केवल पर्यटन का उत्सव नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश को एडवेंचर टूरिज्म का नया हब बनाने का संकल्प भी है।

गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट का आकर्षण यही है कि यह हमें दो चरम अनुभवों का संगम देता है, एक ओर रोमांच की रफ्तार, दूसरी ओर आत्मा को छू लेने वाली शांति। कोई सैलानी चाहे लहरों पर जेट स्की की तेज़ धार चीर रहा हो, या फिर योग और वेलनेस सत्र में ध्यानमग्न हो, हर कोई यहां अपने भीतर एक नई ऊर्जा पाता है।

यही वजह है कि गांधीसागर का यह उत्सव केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं, बल्कि जीवन का अनोखा अनुभव है। यहां जंगल की खामोशी, नदी की गहराई और आसमान की ऊंचाइयां मिलकर सैलानी को यह एहसास दिलाती हैं कि रोमांच और संस्कृति का असली संगम यहीं है।

वायसराय हार्डिंग पर बम फेंकने वाले जौरावर सिंह, पूरा परिवार स्वतंत्रता सेनानी

■ रमेश शर्मा

धरती के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों का अपना गुणधर्म होता है । राजस्थान की माटी ऐसी ही है जिसके कण कण में बलिदान कई अमर गाथाएँ छिपी हैं। परिवार के किसी एक नहीं पूरे कुटुम्ब के बलिदान की कहानियाँ हैं राजस्थान में। ऐसे ही बलिदानी वीर हुये क्रांतिकारी केशरी सिंह बारहाट, उनके भाई जोरावर सिंह वारहाट और पुत्र प्रताप सिंह बारहाट और पुत्री भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे ।

देश के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले क्रांतिकारी जोरावर सिंह बारहठ का जन्म 12 सितंबर 1883 को उदयपुर रियासत के गांव देवखेड़ा में हुआ । यह गांव भीलवाड़ा की शाहपुरा तहसील के अंतर्गत आता है । उनके पिता कृष्ण सिंह बारहठ इतिहासकार साहित्यकार थे। वे अपनी रचनाओं से राष्ट्र भक्ति और परंपराओ की श्रेष्ठता का जोश जगाया करते थे । जोरावर सिंह की प्रारंभिक शिक्षा उदयपुर में हुई और उच्च शिक्षा केलिये जोधपुर गये । परिवार संपन्न और प्रतिष्ठित था । उनकी गणना राजस्थान के पुराने राज परिवारों में होती थी । उनका विवाह भी राजसी परिवार में हुआ था । लेकिन वे परिवार में न डूबे । यह राजस्थान की मिट्टी की विशेषता है कि उन्होंने व्यक्तिगत हितों और परिवार से ऊपर राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा को महत्व दिया है । जोरावरसिंह भी परिवार का राजसी वैभव और गृहस्थी का आकर्षण छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गये ।नवविवाहिता पत्नि ने भी सहर्ष विदा कियाश। देश को दासत्व से मुक्ति के लिये जोरावरसिंह ने क्रांति पथ चुना । वे आर्य समाज से जुड़े हुये थे । उनके घर क्रान्तिकारियो का आना जाना था । इसलिये इस राह पर चलने में उन्हे कोई कठिनाई न हुई । सहज ही वे क्रातिकारियों की टोली के विश्वस्त सहयोगी बन गये । तभी दिल्ली में वायसराय हार्डिंग पर हमले की योजना बनी । इसके लिये 23 दिसंबर 1912 तिथि निर्धारित हुई । तय हुआ कि वायसराय हॉर्डिंग्स का जुलूस दिल्ली के चांदनी चौक से गुजरे बम से हमला किया जाय । यह योजना सुप्रसिद्ध रासबिहारी बोस ने बनाई थी और योजना को मूर्तरूप देने का दायित्व जोरावरसिंह बारहट और उनके बेटे प्रतापसिंह बारहट को सौंपा गया । वायसराय हाथी पर अपनी पत्नी के साथ बैठा था। उसके चारो ओर सुरक्षा का कड़ा प्रबंध था । आसपास अन्य समर्थक चल रहे थे । चांदनी चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक भवन की छत पर भीड़ में जोरावर सिंह और प्रतापसिंह बुर्के में थे। जैसे ही जुलूस सामने से गुजरा, जोरावरसिंह ने हार्डिंग पर बम फेंका, लेकिन पास खड़ी महिला के हाथ से टकरा जाने से निशाना चूक गया और हार्डिंग बच गया उसका एक सुरक्षा कर्मी इस हमले में मारा गया । यह हमला इतना अप्रत्याशित जिसकी कल्पना ब्रिटिश गुप्तचरों तक को न थी । बम फटते ही अफरा तफरी मच गई। सुरक्षाकर्मी वायसराय की सुरक्षा में लग गये । उन्हे हाथी से उतारकर घेरे में ले लिया गया । इस अवसर का लाभ उठाकर जोरावर सिंह ,प्रतापसिंह वहां से सुरक्षित निकल गए। इस घटना की प्रतिक्रिया दिल्ली से लंदन तक हुई । और सुरक्षा कर्मियो का पूरा स्टाफ बदल दिया गया । संभावित क्रांतिकारियों के घरों पर छापे पड़े। गिरफ्तारियाँ हुईं। लेकिन जोरावरसिंह तक किसी का हाथ न पहुँच सका । वे नाम बदलकर मध्यप्रदेश में साधु के वेश में रहने लगे । उन्होने अपना शेष जीवन साधु वेष में बिताया। वे पूरे मालवा क्षेत्र में अमरदास बैरागी के नाम से जाने गये । वे अधिकतर भ्रमण पर ही रहते थे । किन्तु फिर भी उनका अधिकांश जीवन उज्जैन में बाबा महाकाल की सेवा में बीता अंत में 17 अक्टूबर 1939 को उन्होंने संसार से बिदा ली । वे बीच बीच में अपने घर भी गये पर साधु संत समूह के साथ अतिथि बनकर ही जाते और लौट आते । जिससे उनपर किसी को संदेह न होता था । उनका अंतिम संस्कार तो साधु रूप में ही हुआ । निधन का संदेश उनके घर भी पहुंचा। आगे चलकर उनकी पुत्री भी स्वाधीनता सेनानी बनी । वह 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में जेल भी गई।

कलेक्टर ने पहाड़िया क्षेत्र किले एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

पहाड़ी क्षेत्रों का भ्रमण कर कहा- पर्यटन गतिविधियों की संभावनाओं को तलाशें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले की कलेक्टर सोनिया मीना ने नर्मदापुरम नगर के ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस दौरान पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित ऐतिहासिक धरोहर आदमगढ़ पहाड़िया, होशंगशाह गोरी किला का अवलोकन किया साथ ही हिंगलाज देवी मंदिर पहुंच कर दर्शन कर वहा पर पर्यटन गतिविधियों की संभावनाओं को तलाशने के निर्देश भी दिए। इसी के साथ कलेक्टर ने भोपाल चौराहे के सौंदर्यीकरण के लिए की जा रही कार्यवाही, बस स्टैंड उन्नयन कार्य एवं ऑडिटोरियम निर्माण का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रसिद्ध ऐतिहासिक महत्व की संरक्षित धरोहर आदमगढ़ पहाड़िया का भ्रमण कर वहां पर बनाये गए आदिकाल के भित्ति चित्र एवं रॉक शेल्टर का अवलोकन किया। कलेक्टर ने प्रत्येक रॉक शेल्टर का भ्रमण कर पुरातत्व विभाग के कर्मचारी से उक्त संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी ली।

कलेक्टर ने इस दौरान पहाड़ों एवं पत्थरों पर उकेरे गए आदिकाल के अभिलेखों एवं शैलचित्र का गहन परीक्षण किया। कलेक्टर ने शहर के एकमात्र ऐतिहासिक किले होशंगशाह गौरी के किले का भी निरीक्षण किया एवं कहा कि उक्त स्थान में पर्यटन रुचि स्थल की संभावनाओं को तलाशते हुए किले में आवश्यक व्यवस्थाएं की जाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम में चिन्हित ऐतिहासिक धार्मिक एवं पर्यावरण महत्व के स्थलों का सर्किट बनाया जाए जिससे बाहर से आने वाले पर्यटकों के अतिरिक्त स्थानीय लोगो को भी इनकी विशेषता की जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज ठाकुर को निर्देश दिए कि इन सभी स्थलों को सिटी वॉक से जोड़ने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि उक्त स्थानों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए गाइडों के माध्यम से पर्यटकों के लिए एवं स्कूल एवं कॉलेज के बच्चों को जानकारी देने के लिए भी सिटीवाक कराई जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने नगर के प्रमुख भोपाल चौराहे के सौंदर्यीकरण के लिये किए जा रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने चौराहे के सौंदर्य करण के लिए निर्धारित की गई डिजाइन का अवलोकन कर निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए की निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री एवं कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए की कार्य को समय सीमा में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि नगर में सर्वप्रथम यही चौराहे से होकर प्रवेश किया जाता है इसीलिए सौंदर्यीकरण का कार्य उच्च मानकों के अनुरूप ही किया जाए। साथ ही कलेक्टर ने बस स्टैंड उन्नयन कार्यों एवं निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का भी सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी के ठेकेदार को निर्देश दिए की ऑडिटोरियम निर्माण में गति लाई जाए। कलेक्टर ने सीएमओ नर्मदापुरम को निर्देश दिए की निर्माण एजेंसी के साथ नियमित रूप से बैठक कर ऑडिटोरियम निर्माण की मॉनिटरिंग करें।निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, सीएमओ हेमेश्वरी पटले, जिला पर्यटन प्रबंधन शमनोज ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को दिलाई स्वच्छता शपथ

नर्मदापुरम। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर टैगोर मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल नारायण नगर में सभी बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि स्वच्छता हेतु सभी को जागरूक किया गया तथा अपने शहर अपने देश को स्वच्छ बनाने एवं कचरा कचरा गाड़ी में अलग-अलग डालने की शपथ दिलाई गई। सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि लगातार नगरपालिका द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नगर के सभी नागरिकों और व्यापारीगणों से आग्रह है कि वे कचरा, कचरा वाहन में डालें। यहां वहां कचरा न फैंकें। इससे न सिर्फ गंदगी फैलती है बल्कि स्वास्थ्य के प्रतिकूल भी होता है।

नेहरू पार्क की लाइब्रेरी का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नेहरू पार्क स्थित लाइब्रेरी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही लाइब्रेरी में पुस्तकों की और प्रतिदिन कितने लोगों आते हैं की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने लाइब्रेरी भवन के जीर्णोद्धार के निर्देश दिए। इस संबंध में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने बताया कि लाइब्रेरी में ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध हैं। न्यूज पेपर भी प्रतिदिन आते हैं। जल्द ही हम आधुनिक बनाने का प्रयास करेंगे। जिससे कि इस लाइब्रेरी में समूची विश्व की ताजा जानकारी मिल सके और बच्चे अपना ज्ञान आवर्धन कर सकें।

251 विद्यार्थियों को मिली स्कूटी

सागर, दोपहर मेट्रो

मेधावी विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत जिले के 251 हायर सेकेंडरी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को स्कूटी प्रदान की गई। जिले का मुख्य आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय सागर में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक शैलेंद्र कुमार जैन शामिल हुए। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन तथा एक्सीलेंस स्कूल के प्राचार्य सुधीर तिवारी उपस्थित रहे। विधायक शैलेंद्र जैन ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा यह केवल स्कूटी नहीं है, बल्कि आपके सपनों को उड़ान देने का माध्यम है। हायर सेकेंडरी के बाद ही जीवन का सही मार्ग तय होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यह पहल विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने और उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। आप सभी इस अवसर का महत्व समझें और सही करियर का चयन कर समाज व देश का नाम रोशन करें। इस दौरान विद्यालय परिवार, स्टाफ, विद्यार्थी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पं.रविशंकर शुक्ल विद्यालय में भोपाल से प्रसारित निःशुल्क स्कूटी वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया. स्कूल की छात्रा आयुषी सोनी को कक्षा 12वीं में सर्वोच्च अंक अर्जित करने पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप तिवारी द्वारा स्कूटी सौंपी गई.

बालक वर्ग में गत चैम्पियन इंदौर और जनजातीय कार्य के बीच होगा खिताबी मुकाबला, फाइनल में भोपाल भिड़ेगा शहडोल से

69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले आज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले आज हो रहे हैं। बालक वर्ग में पिछले वर्ष की चैम्पियन इन्दौर का मुकाबला जनजातीय कार्य विभाग से । जबकि बालिका वर्ग के फाइनल में पहुंची भोपाल का मुकाबला शहडोल की टीम से होगा । आज बालिका बर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में शहडोल की टीम ने ग्वालियर को हरा कर फायनल में जगह बनाई

सुबह के समय हुए लीग मुकाबलों के बाद दोपहर में सेमीफाइनल मैचों का क्रम शुरू हो गया। पहले सेमीफाइनल में गत वर्ष के चैम्पियन इन्दौर के लड़कों ने सागर को 3-1 से पराजित कर दिया। मैच में पूरे समय इन्दौर सागर पर हावी रहा। दूसरा सेमीफाइनल भोपाल और जनजातीय कार्य विभाग के बीच हुआ। रोमांच से भरपूर इस मैच के पहले हाफ के 19वें मिनट में जनजतीय विभाग के महेन्द्र सिंह ने पहला गोल दागा। यही गोल विजयी गोल साबित हुआ। इसके बाद भोपाल के लड़कों ने लगातार आक्रमक खेल खेला लेकिन गोल नहीं कर सके। शुक्रवार को इन्दौर को जनजातीय कार्य विभाग के बीच फाइनल मुकाबला होगा। सभी मैचों को देखने के लिए गुरूवार को बड़ी संख्या में दर्शक मैदान पर पहूंचे। बालिका वर्ग के लीग मैचों के बाद सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए इंतजार करना पड़ा। ये मुकाबले छात्रावास के बजाय सांदीपनि स्कूल के मैदान में ही होना थे। पहला मैच इन्दौर और भोपाल के बीच हुआ। जिसमें भोपाल संभाग की लड़कियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर 3-0 से एकतरफा जीत हासिल की। अंधेरा होने के कारण दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नहीं हो सका। ग्वालियर और शहडोल के बीच होने वाला यह मुकाबला आज सुबह हुआ।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी, 32 लोग घायल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

इमलानी रोड पर हनुमान टेकरी के समीप गुरूवार सुबह मजदूरों को लेकर जा रहा एक पिकअप वाहन पलट गया। दुर्घटना में 32 मजदूर घायल हुए हैं। इनमें से 4 को गंभीर अवस्था में रेफर किया गया है। क्षेत्र में खरीफ की फसल की कटाई का काम शुरू हो गया है। इसके लिए प्रतिदिन शहरी इलाके से मजदूर गांव जा रहे हैं। गुरूवार सुबह भी शहर के हाजीपुर इलाके में रहने वाले अनेक मजदूर एक पिकअप वाहन में सवार होकर इमलानी रोड पर स्थित ग्राम मोतीगढ़ की ओर रवाना हुए थे। पिकअप में क्षमता से लगभग दोगुने 32 लोग सवार थे। इनमें ड्रायवर सहित 5 पुरूष और 27 महिलाएं और युवतियां सवार थी। कुछ वृद्ध महिलाएं भी शामिल थे। इनमें से कुछ सवारी ड्रायवर सीट पर तो कुछ केबिन के ऊपर की छत पर बैठे थे। वहीं अधिकांश 5 वाया 6 के आकार वाले पिछले हिस्से में बैठे और खड़े थे। क्षमता से ज्यादा सवारी होने के कारण वाहन काफी दबा हुआ चल रहा था। हाजीपुर से निकलकर जब गाड़ी इमलानी रोड पर पहुंची तो अच्छी सड़क देखकर चालक ने गति और तेज कर दी। सभी मजदूरों को लेने के लिए मोतीगढ़ में रहने वाले जीवन यादव और बनवारी यादव सुबह ही सिरोंज आ गए थे। जब 30 मजदूर हो गए तो उन्होंने पिकअप चालक नवल कुशवाह से जल्दी गांव पहुंचने की बात कही। इसी कारण नवल ने अपनी गाड़ी की गति तेज ही रखी।

आदिवासी महिलाओं ने की प्रधानमंत्री आवास की मांग

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सिवनी मालवा के ग्राम गुरंजघाट की आदिवासी महिलाएं तहसील कार्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने एसडीएम सरोज सिंह परिहार को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर महिलाओं ने कहा कि वे शासन की योजनाओं से वंचित हैं।

महिलाओं ने बताया कि दो साल पहले लाडली बहना आवास योजना के लिए आवेदन किया था लेकिन अभी तक कोई राशि नहीं मिली है। गांव में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने नलकूप की मांग की है। कई घरों में शौचालय नहीं हैं। इससे महिलाओं को परेशानी होती है।लाडली बहना योजना को लेकर भी समस्याएं हैं। कुछ महिलाओं के आवेदन नहीं लिए गए हैं। कुछ के खातों में राशि आना बंद हो गई है। महिलाओं ने मांग की कि सभी पात्र महिलाओं के आवेदन लिए जाएं। रुकी हुई राशि तुरंत जारी की जाए।

गांव की कई बुजुर्ग महिलाओं को वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिल रही है। महिलाओं ने उन्हें पेंशन योजना में शामिल करने की मांग की। एसडीएम ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

कुत्ते ने डेढ़ साल की बच्ची पर किया जानलेवा हमला

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मंदसौर जिले के सीतामऊ स्थित साईं विहार कॉलोनी से आवारा कुत्ते के द्वारा घर के बाहर खेल रही डेढ़ साल की मासूम बच्ची पर हमला कर घायल करने की खबर सामने आई है। कुलदीप दुबे की बेटी दिव्यांशी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान कुत्ते ने बच्ची पर हमला बोल दिया, बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उसके माता - पिता दौड़कर आए और उन्होंने कुत्ते के मुंह से बच्ची को छुड़ाया।कुत्ते ने दिव्यांशी को पीठ पर काटा है। परिजन बच्ची को अस्पताल लेकर गए, जहां उसे इलाज के बाद घर भेज दिया गया फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।स्थानीय निवासी हितेश भाऊ ने बताया कि दो दिन पहले ही उन्होंने नगर परिषद को आवारा कुत्तों की समस्या से अवगत कराया था लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सीतामऊ नगर परिषद के सीएमओ जीवन राय माथुर ने कहा कि घटना की जानकारी मिल गई है। अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आवारा कुत्तों के नियंत्रण और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मेट्रो एंकर

भोपाल में धन्वंतरि गौरव सम्मान से हुए सम्मानित गमाखर के अजय सिंह रघुवंशी

सेवा की अनूठी मिसाल 33 वर्षों से कर रहे कैंसर पीड़ितों की सेवा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

कैंसर जिसका नाम सुनते ही रूह कांप जाती है और जीवन के सामने एक पल के लिए अंधेरा छा जाता है। लेकिन इसी अंधेरे में पिछले 33 वर्षों से एक साधारण किसान उम्मीद की किरण बनकर लोगों के जीवन में रोशनी फैला रहा है। अपने श्रम और करुणा से समाज की जिंदगियाँ सँवारने वाले ऐसे किसान की पहचान भी साधारण होकर भी अब असाधारण बन गई है। सेवा की ऐसी ही कुछ अनूठी मिसाल पेश की है, नगर से करीब 10 किलोमीटर दूर ग्राम गमाखर के एक साधारण से सीमांत किसान और समाजसेवी अजय सिंह रघुवंशी ने जो पिछले 33 वर्षों से निशुल्क रूप से कैंसर पीड़ितों की सेवा में जुटे हुए हैं। गांव के खेत से शुरू हुए सेवा के इस सफर में वह अब तक विदिशा जिले के अलावा मध्य प्रदेश सहित कई प्रांतों के 1680 कैंसर पीड़ितों की जिंदगी में नई राह दिखा चुके हैं और उनके चेहरे पर खोई हुई मुस्कान फिर से लौट आई है। वे न केवल रोगियों को मुंबई तक ले जाकर उपचार की राह आसान बनाते हैं, बल्कि हर कदम पर उन्हें भावनात्मक सहारा और मार्गदर्शन के अलावा आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर पीड़ितों को समाज के सहयोग से उनके इलाज की राह आसान बना देते हैं। उनकी इस असाधारण निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण को मान्यता देते हुए भोपाल में आयोजित हुए आरोग्य भारती व्याख्यानमाला के प्रदेश स्तरीय 11वें वार्षिकोत्सव में जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य महाराज, लेखक-निर्देशक डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, श्री स्वांत रंजन और डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय ने मिलकर उन्हें 'धन्वंतरि गौरव सम्मान' प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि ग्राम गमाखर निवासी अजय सिंह रघुवंशी बाल्यावस्था से ही एक स्वयंसेवक के रूप में समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी सेवा का यह दायरा गांव से निकलकर अब कैंसर पीड़ितों की सेवा में जीवन समर्पित हो चुका है। सुदर्शन समाज उत्थान सेवा समिति के माध्यम से अब कैंसर पीड़ितों के लिए और भी बेहतर प्रयासों की श्रृंखला शुरू कर चुके हैं। सेवा की इस यात्रा में कई जाने अनजाने चेहरे उनके साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं जो समाज कि गुमनामी से बाहर हैं।

मां की बीमारी से मिली, सेवा की प्रेरणा

अजयसिंह बताते हैं कि सेवा यात्रा की शुरुआत उनके जीवन के सबसे कठिन दौर से हुई। जब माँ को कैंसर हुआ इलाज के दौरान हर मुश्किल, मैंने अपनी आँखों से देखी। आज से करीब 35 साल पहले भोपाल तो दूर उन्होंने विदिशा जिला भी ठीक ढंग से नहीं देखा था और कैंसर पीड़ित मां के इलाज के लिए एक बोरी में खाने का सामान भरकर मुंबई की राह पकड़ ली थी। मां के उचित उपचार में डॉक्टरों की तलाश करते-करते कई दर्द मिले यही दर्द मुझे प्रेरित कर गया कि अब किसी और परिवार को अकेले इस पीड़ा से नहीं गुजरना पड़ेगा। माँ की पीड़ा ने मुझे रास्ता दिखाया कि अब कोई भी कैंसर पीड़ित परिवार अपने आपको अकेला न समझे।

राजेंद्र दूरसंचार विभाग राजभाषा हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत

नर्मदापुरम। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त माधव ज्योति अलंकरण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ठाकुर को केंद्र सरकार द्वारा गृह मंत्रालय की दूरसंचार विभाग राजभाषा हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। इस संबंध में भारत सरकार ने आदेश भारत राजपत्र में जारी किए हैं। आदेशानुसार, समिति के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होंगे, जबकि संचार राज्य मंत्री समिति के उपाध्यक्ष रहेंगे। समिति में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और हिंदी भाषा विशेषज्ञों के अलावा गैर-शासकीय सदस्य के रूप में चार लोकसभा सांसद और दो राज्यसभा सांसद को शामिल किया गया है। इनके साथ ही राजेंद्र ठाकुर भी सदस्य नामित किया गया है।उल्लेखनीय है कि राजेंद्र ठाकुर पूर्व में केंद्रीय इस्पात मंत्रालय की राजभाषा हिंदी सलाहकार समिति के भी सदस्य रह चुके हैं। उनके इस मनोनयन पर प्रदेश एवं जिले के भाजपा नेताओं, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों और शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

संभाग कमिश्नर ने जैसीनगर विकासखंड का किया औचक निरीक्षण

सांदीपनि विद्यालय में लगे कोटा स्टोन को हटाकर दूसरे लगाएं और कक्षाएं शुरू करें

सागर, दोपहर मेट्रो

सागर संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी अचानक जैसीनगर विकासखंड पहुंचे, जहां उन्होंने सांदीपनि विद्यालय, साइबर तहसील, लोक सेवा केंद्र एवं अनुसूचित जाति जनजाति छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर एसडीएम रोहित वर्मा, तहसीलदार हरीश लालवानी सहित अन्य विभाग अधिकारी मौजूद थे।

कमिश्नर सुचारी ने पहले सांदीपनि विद्यालय के निर्माण अधिनियम भवन का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने भवन निर्माण में लगी कोटा स्टोन को देखकर अप्रसन्नता व्यक्त की एवं निर्देश दिए की तत्काल कोटा स्टोन को बदलकर दूसरा लगाया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए विद्यालय के भवन में जो कक्ष तैयार हो गए हैं उनमें कक्षाएं प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से भी भवन का अवलोकन कराएं जिससे कि उनके अनुसार भी कुछ उसमें सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भवन के बालक एवं बालिकाओं के शौचालय भी शीघ्रता से चालू करें। शौचालय में सभी जगह पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भवन में पेयजल व्यवस्था के लिए ऑरो सिस्टम भी लगे।

पेंडिंग प्रकरण जल्द निबटाएं

कमिश्नर ने साइबर तहसील के निरीक्षण के दौरान नामांतरण की पेंडिंग प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली और निर्देश दिए की सभी पेंडिंग प्रकरणों का निराकरण तत्काल किया जाये एवं जानकारी पोर्टल पर अपलोड करें। सुचारी ने एसडीम कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय में लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली एवं निर्देश दिए की सभी प्रकरण की सुनवाई करें जिससे सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण हो सके। उन्होंने कहा कि न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई के समय संबंधित पटवारी को भी उपस्थित कराए जिससे की प्रकरण का निराकरण किया जा सके।

भोजन की प्रतिदिन हो मॉनिटरिंग, मच्छर रोधी दवा का छिड़काव करें

संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी अनुसूचित जाति, जनजाति छात्रावास पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यार्थियों के लिए भोजन व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, शौचालय की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को स्वादिष्ट गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले इसकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाये। उन्होंने कहा कि छात्रावास में मच्छर रोधी दवा का छिड़काव करें एवं विद्यार्थियों के लिए मच्छरदानी भी वितरण की जाये। उन्होंने छात्रावास की रंगाई पुताई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की निर्देश दिए।

मांगों को लेकर किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। भारती किसान संघ तेंदूखेड़ा के पदाधिकारियों एवं किसानो ने मुख्यमंत्री एवं प्रधान मंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को दिया है। ज्ञापन में राज्यशासन से 31 मांगे एवं केंद्र शासन से 17 मांगों का उल्लेख किया है। जैसे फसल बीमा में दावा राशि के भुगतान में पारदर्शिता, सभी कृषि उपज मंडियों में समर्थन मूल्य पर विक्रय हो, सोयाबीन के समर्थन मूल्य पर खरीदी के पंजियन चालू हो, विकास खंड में प्रति एकड 8 क्विंटल की खरीदी हो, प्याप्त उर्वरकों की उपलब्धता हो, खरीफ फसलों की अतिवृष्टि एवं अन्य कारणों से होने बाले नुकसान पूर्ति की जाए, कृषि यंत्रों पर अनुदान एवं कोटा बढाया जाए। भारतीय गौवंश एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए देसी गाए के दूध पर 10 रूपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जाए। बंद पडी कृषि उपज मंडियो को चालू की जाए। बंद सिचाई योजनाओ को चालू की जाए। ऐसी कुल 48 मांगे की गई हैं।

एक दिवसीय कार्यशाला में दिया प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा। मध्य प्रदेश जल निगम पीआईयू, दमोह अंतर्गत दमोह पटेरा और जबेरा तेंदूखेड़ा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत गुरूवार को जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के 48 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं वॉल्वमेन के लिए जनपद पंचायत भवन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. मनोजराज प्रबंधक जल निगम द्वारा सचालन एवं संधारण के लिए प्रशिक्षण दिया गया एवं कार्यशाला मैं जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनीष बागरी ने सभी को जल जीवन मिशिन के गाइड लाइन से अवगत कराते हुए योजना के सम्बन्ध निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण उपरांत उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं वॉल्वमेन की समस्याओं कठिनाइयों एवं समाधान पर चर्चा की गई। कुछ सुधार कार्य के लिए डॉ. मनोज राज द्वारा क्रियान्वयन एजेंसी को शीघ्र कार्य करने निर्देशित किया गया। कार्यशाला में प्रदीप नामदेव, एसक्यूसी से ओम विश्वकर्मा, भरत विश्वकर्मा, राहुल यादव, अखिलेश शुक्ला, एवं राहुल परिहार उपस्थित रहे।

माह के प्रथम दिवस पर होगा वेतन का भुगतान

सागर। जिले के अधिकारियों, कर्मचारियों को अच्छी खबर है कि अब उन्हें माह की पहली तारीख को वेतन मिलेगा। कलेक्टर संदीप जी आर ने निर्देश दिए हैं कि जिला के समस्त शासकीय अधिकारियों,कार्मचारियों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को वेतन भुगतान, अधिवार्षिकी आयु उपरांत स्वत्वो के भुगतान, पेंशन प्रकरण एवं अन्य कार्मचारी कल्याण से संबंधी कार्यवाहियों के समय सीमा में निराकरण के लिए समिति गठित की गयी है। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी विवेक के वी ने आदेश जारी किया कि समस्त विभाग प्रमुख इस आशय का प्रमाण पत्र 3 दिन में प्रस्तुत करें कि उनके अधीनस्थ समस्त शासकीय कर्मियों का वेतन भुगतान प्रत्येक माह के प्रथम दिवस हो रहा है।

महेश्वर में शुरू हुआ आदि कर्मयोगी अभियान

महेश्वर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के तहत (उत्तरदायी शासन) की दिशा में महेश्वर विकासखंड में बड़ा कदम उठाया गया है। धरती आबा अंतर्गत 31 ग्रामों में यह कार्यक्रम आदिवासी समुदाय के समग्र विकास और शासन की योजनाओं की 100त्न पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। शासकीय कन्या शाला महेश्वर में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण में आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी और आदि साथी को ब्लॉक मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, वन, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को ब्लॉक प्रोसेस लैब के माध्यम से समुदाय की भागीदारी, जुड़ाव और समन्वय की दिशा में प्रशिक्षित किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 2030 तक अपना गांव, समृद्धि का सपना साकार करना है। इसके लिए सेवा, समर्पण और संकल्प की भावना के साथ माइक्रोप्लान तैयार कर 2 अक्टूबर को ग्राम सभा में अनुमोदित किया जाएगा।

नवागत डीआईजी शशीन्द्र सिंह चौहान ने किया कार्यभार ग्रहण

सागर। 2010 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी एवं उप पुलिस महानिरीक्षक शशीन्द्र सिंह चौहान ने सागर रेंज में अपनी ड्यूटी ज्वाइन की। वे 32वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल उज्जैन में उप पुलिस महानिरीक्षक, सेनानी के पद से स्थानांतरित होकर सागर आए हैं।कार्यभार ग्रहण करने पर पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर लोकेश कुमार सिंहा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया। चौहान पूर्व में भी सागर पुलिस प्रशिक्षण शाला में सेवाएँ दे चुके हैं तथा सागर जिले से भलीभांति परिचित हैं।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर वन परिक्षेत्र अधिकारियों व वन रक्षकों ने दी श्रद्धांजलि

वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा में हुए शहीदों को किया याद

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा के दौरान अपने जीवन का बलिदान देने वाले वन विभाग के अधिकारियों और कर्मियों के साहस को याद किए जाने को लेकर 11 सितंबर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाया जाता है इस संबंध में वन विभाग के एसडीओ प्रतीक कुमार दुबे का कहना है कि राष्ट्रीय वन शहीद दिवस उन बहादुर वन प्रेमियों को श्रद्धांजलि देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिन्होंने वनों की रक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। राष्ट्रीय वन शहीद दिवस वनों व वन्यप्राणियों की महत्वपूर्ण भूमिका और रक्षा की जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस का उद्देश्य वनों, वृक्षों और व्यापक पर्यावरण की रक्षा के अत्यंत महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है यह दिवस उन वन रक्षकों, रेंजरों और अधिकारियों की अटूट प्रतिबद्धता और बलिदान को भी श्रद्धांजलि देता है जो भारत के बहुमूल्य वनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अथक परिश्रम करते हैं

-नीरज पांडेय वन परिक्षेत्र अधिकारी तेजगढ़

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है जो वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले व्यक्तियों के बलिदान और समर्पण को याद करता है। यह एक महत्वपूर्ण दिन है जो उनके निस्वार्थ योगदान की याद दिलाता है।

-देवेंद्र गुर्जर वन परिक्षेत्र अधिकारी तारादेही

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस हमारे लिए प्रेरणा स्रोत की तरह है किस तरह वन की सुरक्षा के लिए लोगों ने अपनी जान तक कुर्बान कर दी थी। घने जंगल में एक-एक कदम बहुत ही सावधानी से आगे बढ़ाना पड़ता है, क्योंकि न केवल यहां शिकारी हो सकते हैं बल्कि जंगली जीव-जंतुओं से भी स्वयं को बचाना होता है

-ऋषि यादव वनरक्षक तेंदूखेड़ा

दिन के साथ में ही रात्रि में भी जंगल में गश्ती करना होता है क्योंकि इस दौरान शिकारियों के ज्यादा एक्टिव होने की संभावना होती है ऐसे में जरा सी चूक शिकारियों को सचेत होने का अवसर दे सकता है, यह काम बहुत ही चुनौती भरा होता है।

-संजय खरे वनरक्षक तेंदूखेड़ा

पुलिस ने गुमशुदा हुए बच्चों को सकुशल परिजनों तक पहुंचाया

सागर. कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही पुलिस गुमशुदा बच्चों को भी पुलिस उनके परिजनों को सौंपने में अहम भूमिका निभा रही है. ऐसा ही मामला जिले में सामने आया है. कंट्रोल रूम में पदस्थ उप निरीक्षक राजकुमार सिंह चौहान ने बताया कि देवरी के ग्राम बिजोरा निवासी हरिनाथ यादव ने थाना प्रभारी देवरी गजेंद्र सिंह बुंदेला को सूचना दी कि गांव में दो छोटे-छोटे बच्चे (आयु लगभग 7 और 8 वर्ष) घूमते हुए मिले हैं. सही नाम-पता नहीं बता पा रहे हैं। थाना प्रभारी ने सक्रियता दिखाते हुए कंट्रोल रूम को सूचना देकर बच्चों की जानकारी एवं तस्वीरें सोशल मीडिया माध्यमों से प्रसारित करवाई। बच्चों को थाने बुलाकर स्नेहपूर्वक पूछताछ की गई, जिस पर आंशिक जानकारी मिली कि वे नरयावली थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इस आधार पर थाना प्रभारी ने नरयावली थाना से संपर्क कर वहां के सरपंच का नंबर प्राप्त किया और बच्चों की फोटो व जानकारी साझा की। कुछ ही देर में सरपंच द्वारा बच्चों का सही पता बताया गया। तत्पश्चात नरयावली थाना क्षेत्र से बच्चों के माता,पिता देवरी थाना पहुंचे, जहां थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह बुंदेला एवं उनकी टीम ने दोनों मासूम बच्चों को सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया।

शादी वाली रात में ही गहने लेकर भागी थी लुटेरी दुल्हन, पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शादी नहीं होने से परेशान युवक से शपथ पत्र के सहारे शादी कर जेवर लेकर भागने वाली दुल्हन को दीपनाखेड़ा पुलिस ने उसके 4 साथियों के साथ गिरफतार कर लिया है। एसडीओपी सोनू डाबर ने प्रेस कान्फ्रेंस कर बताया कि दीपनाखेड़ा थाने के ग्राम सांकला में रहने वाली सोनिका राजपूत के बड़े भाई सुरेन्द्र की शादी नहीं होने के कारण परिवार के लोग परेशान थे। इसी को लेकर जून के महीने में उसके पास एक कॉल आया। जिसमें उन्होंने सुरेन्द्र के लिए लड़की देखने की बात कही और भोपाल बुलाया। वे अपने भाई और परिवार के सदस्यों के साथ 23 जून 2025 को भोपाल में लड़की को देखने के लिए पहुंची। वहां उन्होंने पूजा शर्मा नाम की लड़की को देखा। विवाह के लिए पूजा के रिश्तेदारों को डेढ़ लाख रूपया देना तय हुआ। बात पक्की होने के बाद वे उसी दिन पूजा और उनके रिश्तेदारों के साथ सिरोंज आ गए और यहीं पर एक शपथ पत्र पर शादी कर कर बीना जाने वाले है। हमने रास्ते में ही उन्हें पकड़ लिया और पूछताछ शुरू की।

रूपयों का लेन-देन किया। रात में भोपाल निवासी सभी लोग सिरोंज में ही रूके। इसी दौरान पूजा अपने साथियों के साथ जेवर लेकर भाग गई।

दीपनाखेड़ा थाना प्रभारी पूजा रावत ने बताया कि दुल्हन की ठगी का शिकार होने के बाद सोनिका और उसके भाई ने अपने ही स्तर पर सभी को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन जब सब जगह से हार गए तो थाने में जानकारी दी। मुखबिरों के माध्यम से पता चला कि सभी आरोपी एक और शादी के लिए जैनवार 23 निवासी द्वारका नगर थाना बजरिया भोपाल है।

मामले में आरोपियों के पास से 60 हजार रूपए, 5 मोबाइल और अन्य सामग्री जब्त की। पूछताछ में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली। ठगी करने वाली दुल्हन पूजा का असली नाम नंदनी चिमटे 29 निकला निवासी कुम्हारिया थाना पाढर जिला बैतूल है और वह अपने साथियों के साथ पहले भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुकी थी। वह शादीशुदा है और पति का नाम दीपक चिमटे हैं। उसकी एक अन्य महिला साथी पायल जैनवार पति देवेन्द्र

मेट्रो एंकर

स्वामी विवेकानंद के शिकागो संदेश की 132वीं वर्षगाठ पर आयोजित युवा संवाद

भारतीय अवधारणा में हर कोई दिव्य, यहां सृष्टा और सृष्टि अलग नहीं- आशुतोष

सागर, दोपहर मेट्रो

युवा संवाद से निकला संदेश, वैश्विक समस्याओं का समाधान सनातन दर्शन के पास है। यह संदेश स्वामी विवेकानंद के शिकागो संदेश की 132 वीं वर्षगांठ पर आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में निकलकर आया है। युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को समर्थ दादा गुरू, युवा थिंकर्स फोरम के निदेशक आशुतोष सिंह, रानी अवंतीबाई विश्वविद्यालय के कुलगुरु विनोद मिश्रा व युवा चिंतक अविराज भूपेन्द्र सिंह ने संबोधित किया। युवा संवाद का आयोजन मोतीनगर स्थित पद्माकर सभागार में आयोजित किया गया था.

युवा संवाद के मुख्य वक्ता आशुतोष ने कहा कि इस्लामिक व पश्चिमी विचार मोनोथिएस्टिक हैं। उनके ईश्वर को जो नहीं मानते उनके अनुसार वे पापी हैं ऐसे में सह अस्तित्व की अवधारणा ही वहां नहीं है। यही आतंकवाद और धर्मांतरण जैसी समस्याओं की जड़ है। भारतीय अवधारणा में हर कोई दिव्य है। यहां सृष्टा और सृष्टि अलग नहीं है। सृष्टा ने ही स्वयं को सृष्टि रूप में प्रकट किया है। इसलिए हम सभी मतों के साथ सहस्तित्व से रह

सकते हैं। हम भारतीय हैं यह कहने में उनको कुंठा महसूस होती थी। आज हम भारतीय हैं कहने में गर्व होता है। उन्होंने कहा कि आज का समय नैरेटिव बेटल का है। युद्ध के तरीके बदल गये हैं। खतरनाक डेटा वार, मीडिया वार चल रहा है। युवा जो कंटेट उपयोग कर रहे हैं उसके माध्यम से युद्ध लड़ा जा रहा है। उस कंटेट को फिल्टर करना जरूरी है जिसमें एजेंडा छिपा होता है। आज हमारे शत्रु डीपस्टेट के रूप में आते हैं। सोशल जस्टिस, ईक्वालिटी जैसे नामों पर रिवोल्यूशन की बात करेंगे। सोरोस के एनजीओ भ्रमित करते हैं। लेकिन हम रिवोल्यूशन वाले नहीं सिल्यूशन वाले लोग हैं।

उन्होंने कहा कि आज डेमोग्राफिक चेंज सबसे बड़ी चुनौती है। जब हम ही नहीं होंगे तो क्लाइमेट चेंज और अर्थव्यवस्था क्या कर लेगी। उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण का विचार भारत के अलावा विश्व की किसी संस्कृति में नहीं। इसलिए शिकागो में विवेकानंद की बात पर पश्चिम दंग रह गया।

भारतीय दर्शन समाधान लेकर आता है

नर्मदा पुत्र समर्थ दादा गुरू ने कहा कि संस्कृति प्रकृति प्रधान है यह जीवंत प्रमाणिकता उस संस्कृति की है, जिसने युवा संवाद में वैश्विक चुनौतियां का समाधान और भारत के दृष्टिकोण जैसे विषय को उठाया है। सारी दुनिया के अंदर वैश्विक संकट का कोई समाधान नहीं है। इस संकट काल में भारतीय दर्शन या सनातन दर्शन समाधान लेकर आता है। मैंने देखा कि आज बुंदेलखंड का युवा ऐसे गंभीर विषय पर संवाद कर रहा है। जो अपनी माटी और संस्कृति के निकट है उसके अस्तित्व को कोई चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि इस युवा संवाद के वक्ताओं को सुनते युवाओं को भी देख रहे थे।

भारतीय दर्शन विश्व कल्याण की बात करता है

युवा संवाद की अध्यक्षता करते हुए रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय के कुलगुरू विनोद मिश्रा ने कहा कि सभी सुख, मन का सुख, बुद्धि का सुख और आत्मा का सुख का अध्यन करके वैश्विक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। पाश्चात्य दर्शन दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाहता है। जबकि भारतीय दर्शन विश्व कल्याण की बात करता है आज दुनिया में आतंकवाद, गरीबी, जलवायु, स्वास्थ्य, रोजगार की समस्याएं हैं। ऐसे में वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिये हमें मूलभाव के रूप में भारतीय दर्शन, संस्कृति को समझना होगा।

शहर में सुपोषण जागरूकता के लिए निकाली रैली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सुपोषण भारत अभियान के तहत संस्कार केन्द्र द्वारा सुपोषण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली प्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर पंचकुईया माता मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में शामिल बच्चों ने अपने हाथों में सुपोषण जागरूकता से संबंधित नारों से लिखी तख्तियां थाम रखी थीं। इस दौरान समाजसेविका इंदिरा जैन और माधवी माथुर ने मोहल्ले के रहवासियों को शरीर के लिए संतुलित भोजन, प्रोटीन और विटामिन की आवश्कता से जुड़ी जानकारी प्रदान की। उन्होंने नियमित योग से लाभ भी नागरिकों को बताए। इस दौरान संस्कार केन्द्र की संचालिका रचना, चारू एवं शिवानी दीदी भी मौजूद थी।

दोनों के रिश्ते की सच्चाई सामने आई

रिंकू को कुलदीप यादव ने मारे थे थप्पड़ पर थप्पड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह बंदर के बाद सबसे ज्यादा किसी से डरते हैं तो वो है भूत। रिंकू रात में अकेले नहीं सो पाते। लाइट बंद करके तो बिलकुल भी नहीं। उन्हें सोने के लिए रूम में हल्की लाइट की जरूरत होती है। जब वह भारतीय टीम के साथ टूर पर होते हैं तो कुलदीप यादव को अपने साथ सोने बुला लेते हैं। ये सारी बातें खुद रिंकू सिंह ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में बताई।

इसी के साथ रिंकू सिंह और कुलदीप यादव के रिश्ते पर एक नया खुलासा भी हुआ। पता लगा कि रिंकू और कुलदीप एक-दूसरे के कितने करीब हैं। दोनों कितना खास बॉन्ड शेयर करते हैं कि रात में डर लगने पर एक-दूसरे के साथ रूम शेयर कर जाए। पूरी बातचीत में रिंकू ने कुलदीप यादव को 'कुलदीप भैय्या' कहकर संबोधित किया। आपको याद होगा कि आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के मैच के बाद एक वीडियो वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में कुलदीप यादव, रिंकू सिंह को एक के बाद एक दो करारे थप्पड़ मारते नजर आते हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया था। भले ही कुलदीप ने रिंकू को मजाक से मारा हो। भले ही रिंकू, कुलदीप को अपना बड़ा भाई मानते हो, लेकिन उस वीडियो के बाद लोगों ने 'बात का बतंगड़' बना दिया था। आपको पता होगा कि रिंकू सिंह और कुलदीप यादव दोनों उत्तर प्रदेश से आते हैं। रिंकू अलीगढ़ के रहने वाले हैं तो कुलदीप का घर कानपुर में हैं। आईपीएल में भी दोनों प्लेयर्स कई सीजन तक कोलकाता नाइटराइडर्स का हिस्सा रहे। कुलदीप यादव की सगाई में जो चुनिंदा क्रिकेटर्स पहुंचे थे, रिंकू सिंह उनमें से एक थे। रिंकू अपनी सांसद मंगेतर प्रिया सरोज के साथ पहुंचे थे। रिंकू अभी भी केकेआर के साथ हैं तो कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स में जा चुके हैं। इस वक्त भी दोनों यूएई में जारी एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का ड्रेसिंग रूम शेयर कर रहे हैं।

एशिया कप 2025: ओमान की टीम एशिया कप में पहली बार भाग लेगी

ओमान को हल्के में ना ले पाकिस्तानी टीम, गेम पलट सकते हैं 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 के मैच नंबर-4 में आज ओमान का सामना पाकिस्तान से होना है। दोनों टीमों के बीच ग्रुप-ए का यह मुकाबला दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से खेला जाएगा। ग्रुप-ए में ओमान और पाकिस्तान के अलावा भारत और संयुक्त अरब अमीरात को भी रखा गया है।

ओमान की टीम एशिया कप में पहली बार भाग लेने उतरी है और पाकिस्तान के खिलाफ वो इस टूर्नामेंट में अपना डेब्यू मैच खेलने जा रही है। खास बात यह भी है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार पाकिस्तान और ओमान के बीच मुकाबला होने जा रहा है। ऐसे में ये मुकाबला दोनों टीमों के लिए काफी खास है।

कागज पर तो पाकिस्तानी टीम का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। लेकिन ओमानी टीम भी उलटफेर के इरादे से इस मुकाबले में उतरेगी। ऐसे में सलमान अली आगा की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम इस मैच में ओमान को कतई हल्के में नहीं लेना चाहेगी। ओमान की टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं, तो पाकिस्तानी टीम का खेल बिगाड़ सकते हैं।।।

इन पांच खिलाड़ियों से पाकिस्तान को हो सकता है खतरा

जतिंदर सिंह: ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह अपनी टीम के लिए सबसे अहम कड़ी साबित होने वाले हैं। पंजाब के लुधियाना में जन्मे 36 वर्षीय जतिंदर के नाम पर ही टी20 इंटरनेशनल में ओमान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज है।

मोहम्मद नदीम: पाकिस्तान के सियालकोट में पैदा हुए इस ऑलराउंडर के पास टी20 क्रिकेट का अच्छा खासा अनुभव है। 43 साल के मोहम्मद नदीम ने अब तक ओमान के लिए 61 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 20.03 के एवरेज से 641 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल रहे।

आमिर कलीम: टीम के एक और ऑलराउंडर आमिर कलीम पर भी फैन्स की निगाहें रहेंगी। पाकिस्तान के कराची में जन्मे कलीम ने अब तक 44 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 19.13 की औसत और एक अर्धशतक की मदद से 580 रन बनाए हैं। कलीम बाएं हाथ के एक उपयोगी स्पिनर भी हैं। 43 साल के कलीम ने टी20 इंटरनेशनल में 20।02 की औसत से 41 विकेट झटके हैं।

समय श्रीवस्तव: भोपाल में जन्मे समय श्रीवस्तव दाएं हाथ के लेग-स्पिनर हैं। समय ने ओमान के लिए 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले है। इस दौरान उन्होंने 21।06 के एवरेज से 15 विकेट अपने नाम किए।

शकील अहमद: पाकिस्तानी मूल के इस स्पिनर ने ओमान के लिए बहुत कम समय में ही अपनी छाप छोड़ी है। 37 साल के शकील ने ओमान के लिए 34 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 27 विकेट झटके हैं। शकील का ओडीआई क्रिकेट में तो रिकॉर्ड जबरदस्त रहा।

एशिया कप में पाकिस्तानी टीम की बढ़ी टेंशन, चोटिल हुए कप्तान सलमान आगा,

दुबई। एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी टीम को अपने पहले मैच से पहले ही झटका लगता दिख रहा है। टीम के कप्तान सलमान अली आगा पूरी तरह से फिट नहीं बताए जा रहे हैं। सलमान बुधवार को दुबई के आईसीसी अकादमी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तानी टीम के प्रैक्टिस सत्र का बड़ा हिस्सा मिस कर गए। सलमान की गर्दन में हल्का खिंचाव हुआ, जिसकी वजह से उन्हें बैंडेज लगाए देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान अली आगा टीम के साथ पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने वॉर्म-अप और हल्की फुटबॉल ड्रिल्स में हिस्सा नहीं लिया। दूसरी ओर, बाकी के पाकिस्तानी खिलाड़ी पूरे प्रैक्टिस सत्र में शामिल हुए। उनकी सीमित गतिविधियों ने टीम मैनेजमेंट के लिए चिंता की लकीरें पैदा कर दी हैं। पाकिस्तानी टीम को 14 सितंबर को भारत के खिलाफ भी मुकाबला खेलना है, ऐसे में सलमान अली आगा की फिटनेस ने टीम की टेंशन काफी बढ़ा दी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हालांकि स्थिति को सामान्य बताया। पीसीबी की ओर से बताया गया है कि सलमान की चोट मामूली है। पीसीबी और टीम मैनेजमेंट को पूरा विश्वास है कि सलमान प्रैक्टिस पर लौटेंगे और कप्तानी संभालेंगे। पाकिस्तानी टीम कोच माइक हेसन के अंडर एशिया कप में उतरी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे सीनियर खिलाड़ी टी20 सेटअप का हिस्सा नहीं हैं। अब सलमान आगा टीम की कमान संभाल रहे हैं।

हांगकांग ओपन में भारतीयों का धमाकेदार प्रदर्शन

सात्विक-चिराग, लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, चिराग शेट्टी ने अंतिम आठ में बनाई जगह

हांगकांग। हांगकांग ओपन सुपर 500 में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। लक्ष्य सेन ने मार्च के बाद पहली बार बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन ने हमवतन एचएस प्रणय को 15-21, 21-18, 21-10 से हराया। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे सेन को इस सीजन चोटों और खराब फॉर्म का सामना करना पड़ा है। उनके आखिरी श्रेष्ठ प्रदर्शन पर गौर करें तो वह ऑल इंग्लैंड सुपर 1000 और मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। क्वार्टर फाइनल में सेन का मुकाबला जापान के कोडाई नाराओका या हमवतन आयुष शेट्टी से होगा।

लक्ष्य के खिलाफ मैच में प्रणय ने शानदार शुरूआत की थी और पहला गेम

आसानी से जीता था। दूसरे गेम में उनके पास बढ़त भी थी, लेकिन इसके बाद लक्ष्य सेन ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और दूसरा सेट जीत मैच बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में प्रणय ने गलतियां की जिसका फायदा लक्ष्य ने उठाया और मैच अपने नाम कर लिया। इसी बीच, पुरुष युगल स्टार सात्विक और चिराग की जोड़ी ने दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी थाईलैंड की चालोएम्पोन सुकफुन और ननथाकरन तीरात्साकुल की जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

वर्ल्ड मुक्केबाजी चैंपियनशिप

पूजा रानी, जैस्मीन ने भारत के लिए दो और पदक पक्के किए

लिवरपूल। दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी और अस्ताना में आयोजित विश्व मुक्केबाजी कप में स्वर्ण पदक विजेता जैस्मीन लाम्बोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए दो और पदक पक्के कर दिए हैं। पूजा ने महिलाओं के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की एमिलिया कोटर्सका को 3:2 से हराया, जबकि जैस्मीन ने अंडर-22 एशियाई चैंपियन में उज्बेकिस्तान की मामाजोनोवा खुमोरबोनू को 5:0 से हराकर महिलाओं के 57 किग्रा सेमीफाइनल में जगह बनाई।

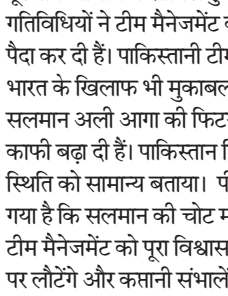

विश्व मुक्केबाजी कप अस्ताना की स्वर्ण पदक विजेता नूपुर बुधवार को महिलाओं के 80+ किलोग्राम भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का करने वाली पहली भारतीय बन गईं। मीनाक्षी महिला 48 किलोग्राम भारवर्ग और जदुमणि सिंह मंडेंगबाम पुरुष 50 किलोग्राम भारवर्ग पदक पक्का करने से बस एक जीत दूर हैं। दोनों आज क्वार्टर फाइनल खेलेंगे। महिलाओं के 80 किलोग्राम भारवर्ग के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में पूजा ने पौलेंड की एमिलिया कोटर्सका को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। महिलाओं के 57 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले में जैस्मीन ने उज्बेकिस्तान की मुक्केबाज पर शुरुआत से ही दबदबा बनाया और तीनों राउंड में बढ़त के साथ जीत हासिल की।

एशिया कप टीम में नहीं मिली थी जगह... अब इंग्लैंड जाकर खेलेंगे वाशिंगटन

नई दिल्ली। वॉशिंगटन सुंदर... वो भारतीय खिलाड़ी जो एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने गए। उनको इसी बीच एक बड़ा मौका मिला है। सुंदर इंग्लैंड की मशहूर काउंटी टीम हैम्पशायर टीम में शामिल हो गए हैं। उनको 2025 चैम्पियनशिप के आखिरी दो मैच खेलने हैं। यह जानकारी इंग्लिश काउंटी क्लब ने गुरुवार को दी। कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन सुंदर इंग्लैंड में खेले गए टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके सबको हैरान कर दिया था। हैम्पशायर ने 25 साल के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को सॉमरसेट और सरे के खिलाफ मैच खेलने के लिए साइन किया है। हैम्पशायर क्रिकेट ने (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किय- स्वागत है वॉशी।भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हमारे अंतिम दो काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने के लिए टीम में शामिल होंगे। हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर गाइल्स व्हाइट ने वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि सुंदर ने इस समर में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए जोरदार पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले तमन्ना भाटिया ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। तमन्ना भाटिया ने यह भी बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट क्यों उन्हें पसंद आई, साथ ही महिला उद्यमियों की यह कैसी तस्वीर पेश करेगा।

महिला उद्यमियों की अलग तस्वीर पेश होगी : तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया ने कहा, जब मैंने पहली बार इसकी पटकथा पढ़ी, तो मैंने इसे सिर्फ उद्यमी ड्रामा के रूप में नहीं देखा। इसकी लीड एक्टर दोनों महिलाएं हैं, और इस तरह का संयोजन पहले कभी स्क्रीन पर नहीं दिखा। मुझे इसकी सिटकॉम जैसी ऊर्जा बहुत पसंद आई, और यही वह समय था जब मैंने पात्रों को गौर से देखा, क्योंकि वे बहुत दिलचस्प हैं। तमन्ना ने आगे कहा, जैसे-जैसे आप किरदारों की यात्रा का अनुसरण करते हैं, आप एक दुनिया का अनुभव करते हैं। जैसे बचपन में मेरा पसंदीदा शो एली मैकबील था और वह एक लॉ फर्म पर आधारित था, इसलिए उन पात्रों के माध्यम से वकीलों की दुनिया दिखाई जाती है, इसलिए मुझे लगता है कि इस शो में भी कुछ ऐसा ही माहौल है।

डू यू वाना पार्टनर में दो सहेलियों की कहानी

डू यू वाना पार्टनर कैसे महिला बिजनेस वुमेन्स को अलग तरीके से पेश करता है, इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, महिलाएं कैसे शक्तिशाली बनती हैं, उस सफर को यहां दिखाया गया है। मुझे इस शो की यही बात सबसे अधिक पसंद आई। वरना जब आप शक्तिशाली महिलाओं को दिखाते हैं, तो आप उन्हें पहले ही सूट-बूट में दिखाकर काम चला लेते हैं। उन्हें देख हमेशा ऐसा लगता है कि वे पहले ही वहां पहुंच चुकी हैं। मगर इस सीरीज में ऐसा नहीं है, यहां उन्हें अलग तरह से पेश किया जाएगा। डू यू वाना पार्टनर में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। यह सीरीज 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

माही विज ने अपनी अदाओं से बिखेरा जलवा, तस्वीरों में दिखाया खास अंदाज

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री माही विज अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ वह एक अच्छी मां भी हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में माही ने हल्का गुलाबी कलर का सूट पहना है, जो उनकी सादगी और शालीनता को निखार रहा है। इस ट्रेडिशनल परिधान को अभिनेत्री ने अपने सादगी भरे मेकअप के साथ पूरा किया। उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ बालों को हल्का कर्ल किया है और बालों में हल्के गुलाबी रंग का गुलाब सजाया गया है, जो उनके इस पारंपरिक लुक को और खास बना रहा है। तस्वीरों में माही अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में हाथ में फूल लिए हुए प्यारी-सी मुस्कान के साथ पोज दे रही हैं। दूसरी में, वह फूलों को प्यार से पकड़ कर कैमरे को पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में वह सूट को संवारती हुई तस्वीर खिचवा रही हैं।

मेट्रो बाजार

सोना और चांदी खरीदारों के लिए राहत, कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। सोना और चांदी खरीदारों के लिए खुशखबरी है। एक बड़ी रैली के बाद दोनों की कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन की ओर से शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में 24 कैरेट सोने का दाम 538 रुपए कम होकर 1,09,097 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,09,635 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, 22 कैरेट सोने की कीमत घटकर 99,933 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 81,823 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई। बीते 24 घंटे में चांदी का दाम 95 रुपए कम होकर 1,24,499 रुपए प्रति किलो हो गया है। आईबीजेए की ओर दिन में दो बार हाजिर बाजार में सोने और चांदी की कीमतें जारी की जाती है। एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। गोल्ड के 03 अक्टूबर, 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.34 प्रतिशत कम होकर 1,08,614 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी के 05 दिसंबर, 2025 के कॉन्ट्रैक्ट में कीमत 0.02 प्रतिशत कम होकर 1,25,155 रुपए हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमैक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोने की कीमत 0.67 प्रतिशत कम होकर 3,658 डॉलर प्रति औंस पर है।

जीएसटी सुधार से दवाइयों के किफायती होने के साथ फार्मा इंडस्ट्री को भी मिलेगा बूस्ट

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार से न केवल दवाइयां किफायती हो जाएंगी, बल्कि इससे देश के फार्मा मार्केट को भी बड़ा बूस्ट मिलेगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त में फार्मा सेक्टर ने 8.7 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि दर्ज की। आने वाले समय में इस क्षेत्र में मूल्य निर्धारण, पहुंच और रोगियों की संख्या में व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सुरेश नायर ने कहा, फार्मा क्षेत्र में जीएसटी परिषद द्वारा किया गया कर सुधार स्वास्थ्य सेवा के लिए परिवर्तनकारी है। नायर ने कहा, सभी दवाओं पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने और 36 महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं पर शून्य दर देने से, रोगियों के खर्च में काफी कमी आएगी और आवश्यक उपचारों तक उनकी पहुंच में सुधार होगा। इस महीने की शुरुआत में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में सरकार ने अप्रत्यक्ष कर ढांचे को युक्तिसंगत बनाते हुए मौजूदा चार स्लैब को घटाकर दो (5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत) कर दिया है, जबकि 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की दरें समाप्त कर दी गई हैं। सरकार ने 33 केंसर और दुर्लभ दवाइयों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर जीरो कर दिया गया है। इस कदम से मरीजों पर लागत का बोझ कम होने और उच्च मूल्य वाली चिकित्साओं, विशेषकर ऑन्कोलॉजी और दुर्लभ रोगों के इलाज की मांग में वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सनोफी, नोवार्टिस, जॉनसन एंड जॉनसन, टेकेडा, जीएसके, एमजेन, बायर और बोह्रिंजर इंगेलहाइम की कैंसर-रोधी और दुर्लभ रोगों की चिकित्सा भी सस्ती हो जाएगी।

छह पनडुब्बियों की खरीदी के मसौदे को केन्द्र सरकार ने दी है मंजूरी

एक्टिवेट होगा सबमरीन प्रोजेक्ट-75, बढ़ेगी भारतीय नौसेना की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने भारतीय नौसेना के साथ पनडुब्बी परियोजना-पी 75 (आई) पर बातचीत शुरू कर दी है। 23 अगस्त को, केंद्र सरकार ने रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड को 70,000 करोड़ रुपये की परियोजना प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत जर्मनी के सहयोग से भारत में बनने वाली छह पनडुब्बियों की खरीद के सौदे पर बातचीत शुरू करने की मंजूरी दी थी। मंत्रालय ने कंपनी की बोली 16 जनवरी, 2025 को खोली थी। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की स्थिति अधिक मजबूत हो जाएगी।

जर्मनी की कंपनी के साथ पार्टनरशिप- सरकारी कंपनी मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड अपने टेक्नोलॉजी पार्टनर टीकेएमएस के साथ मिलकर अरबों डॉलर के पनडुब्बी कॉन्ट्रैक्ट के लिए विजेता बनकर उभरी है। रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में जर्मन पनडुब्बी निर्माता थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स की तरफ से सप्लाई की गई एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणालियों के साथ छह पनडुब्बियों के निर्माण के लिए सरकारी स्वामित्व वाली एमडीएल को अपना साझेदार चुना था। थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के सीईओ ने बताया कि पी 75आई पनडुब्बी परियोजना के लिए भारतीय कंपनियों के साथ कंपनी की साझेदारी के लिए टीकेएमएस को टेक्नोलॉजी के रूप में चुना गया है। ये मिलकर एक ऐसा इको सिस्टम बनाएंगे जो आने वाले वर्षों में ग्लोबल मार्केट में अपनी जगह बना सकेगा।

नेवी के मॉडर्नाइजेशन में अहम रोल

रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना का लक्ष्य अगले छह महीनों के भीतर कॉन्ट्रैक्ट बातचीत को पूरी करना और उसके बाद अंतिम मंजूरी प्राप्त करना है। भारतीय कंपनी दो परमाणु हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण पर भी काम कर रही है। इसमें पनडुब्बी निर्माण केंद्र के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) बड़ी भूमिका निभाएगी। भारत के लिए, यह कदम स्थानीय विनिर्माण और प्रौद्योगिकी समावेशन के माध्यम से नौसेना आधुनिकीकरण और मेड इन इंडिया पहल की दिशा में एक बड़ी छलांग है। जर्मनी के लिए, यह एशिया के सबसे बड़े पारंपरिक पनडुब्बी कार्यक्रमों में से एक के लिए समर्थन को दर्शाता है।

सपनों की दुनिया जैसी 'ग्लोवॉर्म गुफाएं'

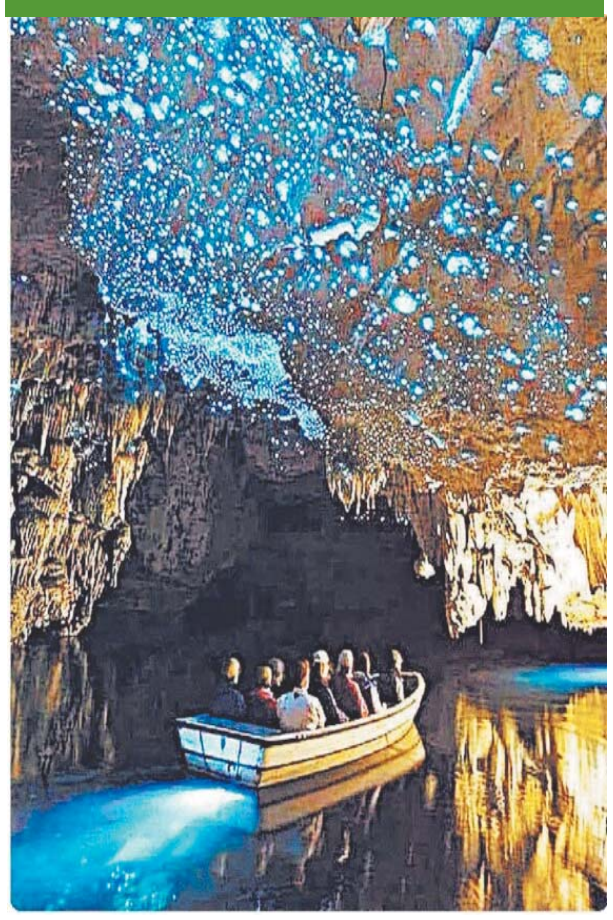

न्यूजीलैंड की ग्लोवॉर्म गुफाएं प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार मानी जाती हैं। यहां हजारों छोटे-छोटे ग्लोवॉर्म्स अपनी जैवदीप्ति (बायोल्यूमिनेसेंस) से गुफा की छत को इस तरह रोशन कर देते हैं, मानो आसमान पर बेशुमार तारे चमक रहे हों। अंधेरे में टिमटिमाती यह नीली रोशनी गुफा के शांत वातावरण को रहस्यमय और अलौकिक बना देती है।

कांग्रेस ने बैठे-बिठाए भाजपा को दे दिया मौका

बेंगलुरू में सेंट मेरी स्टेशन का मुद्दा गर्माया, भाजपा को बीएमसी में मौका

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले बैठे-बिठाए भाजपा को मुद्दा मिल गया है। यह मुद्दा किसी और ने नहीं बल्कि खुद कांग्रेस पार्टी ने थमा दिया है। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने की सिफारिश की है। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर हंगामा मचा है, बल्कि महाराष्ट्र में भी इसे छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान बताया जा रहा है। भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया है और बीएमसी चुनाव से पहले वह इसे भुनाने में जुट गई है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस मुद्दे पर मैदान में उतर चुके हैं।

मुंबई महानगरपालिकाचुनावों के मद्देनजर यह विवाद कांग्रेस के लिए मुसीबत बन गया है। बीएमसी में राहुल गांधी की पार्टी पहले से ही दबाव में है। भाजपा को यह तुष्टिकरण का मुद्दा मिल गया है। वह इस मुद्दे पर शिवसेना को भी घेरने की रणनीति बना रही है। क्योंकि शिवसेना उस महाविकास अघाड़ी का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस और एनसीपी शरद गुट हैं। बीएमसी में शिवसेना की स्थिति मजबूत रही है। वह खुद शिवाजी के नाम को दोहराती रहती है। वह उनके नाम को मराठा अस्मिता से जोड़ती रही है। ऐसे में वह भी सिद्दारमैया के फैसले से बैकफुट पर आ गई है।

इस विवाद की शुरुआत 8 सितंबर को सेंट मैरी बेसिलिका के वार्षिक उत्सव के दौरान हुई, जब सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को स्टेशन का नाम सेंट मैरी रखने की सिफारिश भेज दी है। यह प्रस्ताव शिवाजीनगर के विधायक रिजवान अरशद की मांग पर आधारित था, जो इलाके के ऐतिहासिक चर्च को सम्मान देने का प्रयास था। लेकिन भाजपा ने इसे तुरंत अपमान का रंग दे दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे शिवाजी महाराज का अपमान बताते हुए कहा कि कांग्रेस का यह परंपरागत तुष्टिकरण पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू काल से चला आ रहा है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान सिद्धारमैया को समझ दें। कर्नाटक भाजपा नेता चालवाड़ी नारायण स्वामी ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस शिवाजीनगर का नाम ही मिटाना चाहती है? महाराष्ट्र भाजपा की चित्रा वाघ ने तो कांग्रेस की शिवाजी महाराज के प्रति नफरत उजागर होने की बात कही और महाराष्ट्र कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा। यह विवाद महाराष्ट्र में आगामी क्स्ष्ट चुनावों के लिए भाजपा के लिए बड़ा हथियार बन सकता है। बीएमसी एशिया की सबसे अमीर नगर निगम है। इसके लिए इस साल चुनाव होने की संभावना है।

शिवसेना भी बैकफुट पर

इस मुद्दे पर कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना भी बैकफुट पर है। दूसरी तरफ भाजपा और एकनाश शिंदे की शिवसेना इस मुद्दे को पूरे जोरशोर से उठा रही है। ये दल इस मुद्दे को हिंदू-मराठा वोट बैंक को एकजुट करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। शिवाजी महाराज महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान हैं और उनका नाम बदलने का प्रस्ताव मराठा समुदाय में आक्रोश फैला सकता है। जानकारों का मानना है कि यह कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण का ठप्पा लगाने का मौका देगा। बीएमसी में मराठा वोटरों की बड़ी संख्या को देखते हुए यह MVA के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। राहुल गांधी की पार्टी अब इस विवाद में फंस गई है। महाराष्ट्र कांग्रेस को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ेगी, वरना भाजपा इसे 'राष्ट्रीय अपमान' का मुद्दा बनाएगी। हालांकि, शिवसेना ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ देते हुए सिद्धारमैया को पत्र लिखने की बात कही है, जिसमें स्टेशन का नाम छत्रपति शिवाजी रखने की मांग की जाएगी। पार्टी प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि जनता की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए और राजनीति से बचना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि अरब सागर में शिवाजी की मूर्ति का काम आज तक अटका है, तो उन्हें शिवाजी पर बोलने का नैतिक अधिकार कहां से आ गया?

भागा और फिर लगा दी छलांग... ट्रंप के जिगरी दोस्त चार्ली कर्क के हत्यारे का वीडियो आया सामने

नईदिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिगरी दोस्त चार्ली कर्क की हत्या ने गन वायलेंस और सिक्योरिटी को लेकर नए सिरे से बहस छेड़ दी है. कर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. अब शूटर का मौके से फरार होते एक वीडियो वायरल हो रहा है.

कर्क की हत्या की जांच कर रही एफबीआई की टीम ने एक नया वीडिया जारी किया है, जिसमें कर्क की हत्या के कुछ सेकंड बाद ही एक एक संदिग्ध को यूटा यूनिवर्सिटी की छत से भागते देखा जा सकता है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि संदिग्ध पहले तो भागता है और फिर कैंपस से छत से छलांग लगा देता है. कंजरवेटिव चार्ली कर्क की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह छात्रों के सवालों का जवाब दे रहे थे. उन्हें सुनने के लिए कैंपस में लगभग तीन हजार लोग जुटे थे. यह कार्यक्रम कैंपस में खुले में हो रहा था.

एफबीआई का कहना है कि यह काम किसी स्किल्ड शूटर का है, जो काले कपड़ों में छत पर छिपा था. एफबीआई ने इसे प्रोफेशनल हिट बताया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं है. एफबीआई ने एक लाख डॉलर का इनाम घोषित किया है. चार्ली कर्क टर्निंग पॉइंट यूएसए के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर थे. यह एक छात्र संगठन है जिसका मकसद लिबरल अमेरिकी कॉलेजों में कंजर्वेटिव विचारधारा का प्रचार-प्रसार करना है. वह 32 साल के थे और ट्रंप के करीबियों में से एक थे. वह अमेरिका के सबसे हाई प्रोफाइल कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट और मीडिया पर्सनैलिटीज में से एक थे। कर्क के पिता आर्किटेक्ट थे. उन्होंने शिकागो के एक कॉलेज से पढ़ाई की लेकिन राजनीति में आने के लिए पढ़ाई छोड़ दी. कर्क ने 2020 में किताब लिखी थी, जिसमें ट्रंप के मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का भी जिक्र था. चार्ली और उनकी टीम ने पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने में भी अहम भूमिका निभाई थी. कर्क अपने विवादित बयानबाजी के लिए हमेशा चर्चा में रहते थे. उनके धुर दक्षिणपंथी विचारों की वजह से वह हमेशा लिबरल्स के निशाने पर रहते थे. वह स्लेवरी से लेकर गर्भपात, महिला विरोधी बयानों और रंगभेद पर की गई अपनी टिप्पणियों की वजह से विवादित थे।

नेपाल हिंसा: गुस्साई भीड़ ने होटल में लगाई आग तो...

यूपी के कपल ने लगाई छलांग, पत्नी की मौत

महराजगंज/गाजियाबाद, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के महराजगंज के पास स्थित इंडो-नेपाल बॉर्डर पर गाजियाबाद की महिला का शव परिजनों को सौंप दिया गया। बता दें कि नेपाल में बवाल के बीच दर्दनाक घटना सामने आई। गाजियाबाद से पत्नी के साथ काठमांडू में पशुपति नाथ मंदिर दर्शन करने गए दंपत्ति होटल में थे, तभी प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी थी, जिसके बाद दंपत्ति चौथी मंजिल से कूद गए थे और घायल हो गए। इस हमले के बीच पति-पत्नी बिछड़ गए थे। दंपति के बेटे को सूचना मिली कि उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र के मास्टर कॉलोनी के रहने वाले रामवीर सिंह गोला अपनी 55 वर्षीया पत्नी राजेश गोला के साथ

पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने 7 सितंबर को गए थे। भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के बाद पति-पत्नी काठमांडू में स्थित हयात रेजीडेंसी में रुके थे, तभी रात करीब साढ़े 11 बजे उपद्रवियों ने होटल को आग के हवाले कर दिया। होटल में खुद को आग से घिरा देख इस दंपति ने जान बचाने की कोशिश में चौथी मंजिल से छलांग लगा दी थी।

घायल दंपति पर उपद्रवियों ने किया दोबारा हमला

बचाव दल के प्रयास से कई लोग पहले से बिछाए गए गद्दों पर गिरे, लेकिन गाजियाबाद के रहने वाले ये पति-पत्नी घायल हो गए थे। इसी दौरान उपद्रवियों ने दोबारा हमला कर दिया। अफरा-तफरी के बीच ये दंपत्ति बिछड़ गए। बुधवार को नेपाल से रामवीर सिंह के बेटे विशाल के पास कॉल आया कि उनकी मां की इलाज के दौरान मौत हो गई है ।वहीं पिता रामवीर सिंह गोला दो दिन बाद घायल हालत में राहत कैंप में मिले। इंडो-नेपाल बॉर्डर पर सोनौली में शव लेने आए राजेश गोला के परिजनों का कहना था कि घायल होने के बाद मां का ठीक से इलाज नहीं हुआ, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। भारतीय दूतावास के सहयोग से शव गुरुवार की शाम को सोनौली पहुंचा।

मेट्रो एंकर

बैकफुट पर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

कर्मचारियों की वेतन कटौती का आदेश वापस

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के बढ़े हुए वेतन को वापस लेने संबंधी 6 सितंबर की अधिसूचना को स्थगित कर दिया है। उनके इस फैसले ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और पहाड़ी राज्य की वित्तीय स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का यह यू-टर्न कर्मचारी संघों और मुख्य विपक्षी दल भाजपा के कड़े विरोध के बीच आया है। सुक्खू सरकार की आलोचना करते हुए भाजपा ने कहा कि इस अधिसूचना ने हिमाचल प्रदेश को देश का पहला राज्य बना दिया है जहां सरकार ने अपने कर्मचारियों के वेतन में कटौती की है। राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 2022 से नियम 7ए को हटाने के लिए अधिसूचना जारी की थी। इससे कर्मचारियों के वेतन में 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह की कटौती होती। इस अधिसूचना में पिछली भाजपा सरकार द्वारा 89 श्रेणियों के कर्मचारियों को दो साल की सेवा पूरी करने पर दिए गए उच्च वेतनमान को वापस ले लिया गया। सोमवार को विभिन्न कर्मचारी संघों के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों का कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस तरह की अधिसूचना जारी करना उचित नहीं है।

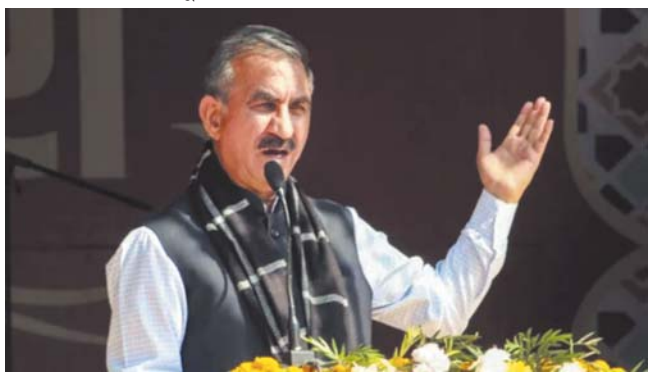

मानवीय पहलुओं को हमेशा रखा जाना चाहिए ध्यान में

सीएम सुक्खू ने ज़ोर देकर कहा कि नियमों और विनियमों में संशोधन करते समय मानवीय पहलुओं को हमेशा ध्यान में रखा जाना चाहिए। सुक्खू ने उन्हें आश्वासन दिया कि वर्तमान सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि कार्यभार संभालते ही वर्तमान सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल कर दी। इसके अलावा, राज्य सरकार ने समय-समय पर उन्हें विभिन्न वित्तीय लाभ भी प्रदान किए हैं।

650 करोड़ के आईटीसी घोटाले में सीमा हैदर-सचिन की फोटो का इस्तेमाल

पटना, एजेंसी

बिहार के दो चार्टर्ड अकाउंटेंट भाई, आशुतोष झा और विपिन झा के साजिश से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारी भी चक्कर खा गए। जांच में 650 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का खुलासा हुआ है। इस मामले में पाकिस्तानी मूल की सीमा हैदर और उनके पति सचिन का नाम भी इस्तेमाल किया गया। देश में 650 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट घोटाले ने एक बड़ा खुलासा किया है। इस मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने न सिर्फ बड़े हवाला कारोबारियों और फर्जी कंपनियों के नेटवर्क को उजागर किया है, बल्कि इसमें एक चौंकाने वाला मोड़ भी सामने आया है। जांच में पता चला है कि इस बड़े फर्जीवाड़े में पाकिस्तानी मूल की सीमा हैदर और उनके भारतीय पति सचिन का नाम और उनकी तस्वीरों का भी गलत इस्तेमाल किया गया है। ये पूरा रैकेट बिहार के दरभंगा के रहने वाले दो भाइयों, आशुतोष झा और विपिन झा की ओर से चलाया जा रहा था। ये दोनों चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इन्होंने फर्जी आईडी बनाकर अरुणाचल प्रदेश सरकार को लगभग 99.21 करोड़ का चूना लगाया। ईडी की रिपोर्ट के अनुसार, यह घोटाला एक सुनियोजित तरीके से किया जा रहा था। इसके तहत देशभर में कई शेल कंपनियां (फर्जी कंपनियां) बनाई गईं। ये कंपनियां सिर्फ कागजों पर थीं, इनका कोई असली कारोबार नहीं था।

इन कंपनियों के नाम पर फर्जी बिल तैयार किए जाते थे। इन फर्जी बिलों के आधार पर सरकार से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया जाता था, जिससे सरकार को करीब 650 करोड़ का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी को संदेह है कि इस पैसे का इस्तेमाल हवाला और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में किया गया था। इस तरह, फर्जी लेनदेन के जरिए सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022